हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 62 ● भिलाई, बुधवार 23 सितम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

370 रुपये की बिरयानी' विवाद में प्रणीत मोरे सुप्रीम कोर्ट पहुंचे

नई दिल्ली। स्टैंड-अप हास्य कलाकार प्रणीत मोरे ने '370 रुपये की बिरयानी' विवाद से जुड़े मामले में अपने खिलाफ महाराष्ट्र और हरियाणा में दर्ज प्राथमिकी को एक साथ जोड़ने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उनकी याचिका पर केंद्र सरकार के साथ महाराष्ट्र और हरियाणा सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। मामले की सुनवाई प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने की। मोरे की ओर से पेश वकील ने पीठ से कहा कि महाराष्ट्र और गुरुग्राम में दर्ज प्राथमिकी एक ही घटनाक्रम से जुड़ी हैं, इसलिए दोनों मामलों को एक साथ किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मोरे मुकदमे का सामना करने के लिए तैयार हैं और उनकी मांग केवल अलग-अलग स्थानों पर चल रही आपराधिक कार्यवाही को एक साथ करने की है। वकील ने अदालत को बताया कि मोरे ने राष्ट्रीय महिला आयोग सहित विभिन्न मंचों पर माफी मांगी है। उन्होंने यह भी कहा कि विवादित वीडियो की जानकारी मिलने के बाद उसे प्राथमिकी दर्ज होने से पहले ही हटा दिया गया था।

अज्ञात वाहन ने सब्जी विक्रेता को रौंदा, मौत

प्रयागराज। हंडिया थाना क्षेत्र में रविवार रात सड़क हादसे में करीब 60 वर्षीय सब्जी विक्रेता की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार हंडिया थाना क्षेत्र के बरौत पुलिस चौकी के पास नेशनल हाईवे पर रसार गांव के सामने तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने साइकिल सवार राम सजीवन उर्फ साधु बिंद को टक्कर मार दी। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। राम सजीवन उर्फसाधु बिंद, मंगरू बिंद के बेटे थे और हंडिया क्षेत्र के ही रहने वाले थे। वह रविवार को बरौत कस्बे में सब्जी बेचने गए थे। रात में साइकिल से घर लौट रहे थे। रसार गांव के सामने नेशनल हाईवे पर पहुंचते ही एक अज्ञात वाहन ने उनकी साइकिल में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि राम सजीवन सड़क पर गिर गए। गंभीर चोट लगने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

तेंदुए ने किया हमला तो 10 साल के बच्चे ने दबा दिया उसका गला

हल्द्वानी। उत्तराखंड के हल्द्वानी में तेंदुए के जानलेवा हमले के दौरान 10 साल के एक मासूम द्वारा दिखाई गई असाधारण जांबाजी की हर तरफ सराहना हो रही है। घात लगाकर बैठे तेंदुए ने जब बच्चे पर झपट्टा मारा, तो मासूम घबराने के बजाय अपनी जान बचाने के लिए आदमखोर से भिड़ गया और दोनों हाथों से उसका गला जकड़ लिया। हमले में बच्चे के मुंह और पेट पर गंभीर घाव आए हैं, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। यह सनसनीखेज घटना शनिवार शाम करीब सवा सात बजे विजयपुर रतनपुर चकलुवा इलाके में घटी।

एशियन गेम्स 2026 : स्वर्ण पदक का खाता खुला

भारतीय बेटियों ने क्रिकेट में जीता लगातार दूसरा गोल्ड....

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत का स्वर्ण पदक का खाता खुल गया है। भारत की बेटियों ने क्रिकेट में स्वर्ण पदक दिलाया। श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में टीम इंडिया ने 147 रन से विशाल जीत दर्ज की। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में तीन विकेट पर 216 रन बनाए। 217 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी। पूरी टीम 15.4 ओवर में 69 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत ने मुकाबला 147 रन से जीतकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारतीय गेंदबाजों ने लगातार विकेट लेकर श्रीलंका की पारी को संभलने का मौका नहीं दिया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स में लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक जीता है। भारत ने इससे पहले 2023 हांगझोउ एशियन गेम्स में भी महिला क्रिकेट का स्वर्ण पदक जीता था। इस बार भी टीम ने अपने स्वर्ण पदक का सफलतापूर्वक बचाव किया। भारत के एशियन गेम्स 2026 में कुल पदकों की संख्या सात हो गई है और टीम पदक तालिका में आठवें स्थान पर पहुंच गई है। स्मृति मंधाना ने शानदार 79 रन की पारी खेलकर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। उनके साथ शेफाली वर्मा ने भी अहम योगदान दिया और 48 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों ने भारतीय पारी को शुरुआती ओवरों में मजबूती दी और श्रीलंका के गेंदबाजों पर दबाव बनाया। इसके बाद भारत ने आखिरी ओवरों में तेजी से रन बटोरे। भारत की पारी के आखिरी हिस्से में ऋचा घोष ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। उन्होंने सिर्फ 22 गेंदों में 49 रन ठोककर टीम को 200 के पार पहुंचाया। भारत ने 20 ओवर में 216 रन बनाए और श्रीलंका के सामने 217 रन का लक्ष्य रखा। इस तरह भारत ने फाइनल में श्रीलंका के सामने बड़ा लक्ष्य खड़ा किया। इस जीत के साथ भारत ने श्रीलंका के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार आठवीं जीत दर्ज की। यह भारत की महिला टीम की टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे लंबी लगातार जीत की लय है। इससे पहले भारत ने 2018 में लगातार सात टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच जीते थे। श्रीलंका ने भारत को आखिरी बार 2024 महिला एशिया कप के फाइनल में हराया था। इसके बाद दोनों टीमों के बीच हुए आठों टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में भारत ने जीत दर्ज की। यानी 2024 एशिया कप फाइनल में मिली हार के बाद भारत ने श्रीलंका को लगातार आठ मैचों में शिकस्त दी है। 2026 एशिया कप फाइनल में भी भारत ने श्रीलंका को 72 रन से हराया था। एशियन गेम्स के फाइनल में यह दबदबा और मजबूत हुआ। भारत की महिला टीम ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में लगातार जीत का अपना नया रिकॉर्ड बनाया है।

एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला टीम का गोल्ड पर कब्जा, प्रधानमंत्री मोदी ने बेटियों को दी बधाई

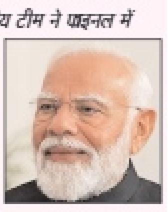

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स 2026 में स्वर्ण पदक जीत लिया है। भारतीय टीम ने फाइनल में श्रीलंका को 147 रन के बड़े अंतर से हराकर मैच जीता और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। एशियन गेम्स 2026 में भारत का यह पहला स्वर्ण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय महिला टीम को स्वर्णिम सफलता पर बधाई दी है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से की गई पोस्ट में कहा गया कि इंडियन क्रिकेट के लिए शानदार जीत। एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने पर हमारी महिला क्रिकेट टीम को बहुत-बहुत बधाई। यह खेलों में एक जबरदस्त प्रदर्शन था, जिसमें आत्मविश्वास, स्किल और शानदार टीमवर्क दिखा।

निर्वाचन आयोग ने तारीख का किया ऐलान

चार राज्यों में विधान परिषद का चुनाव 23 अक्टूबर को

नई दिल्ली। भारतीय निर्वाचन आयोग ने देश के चार राज्य- उत्तर प्रदेश, बिहार, कर्नाटक, महाराष्ट्र में विधान परिषद चुनावों की तारीखों का ऐलान कर दिया है। जारी नोटिफिकेशन के अनुसार ये सीटें शिक्षक और स्नातक कोटे की हैं। इन सीटों पर 23 अक्टूबर को मतदान और 27 अक्टूबर को काउंटिंग कराई जाएगी। इसके साथ ही सभी निर्वाचन क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। चुनाव आयोग की ओर से जारी बयान के मुताबिक बिहार में विधान परिषद की आठ सीटें 16 नवंबर को खाली हो रही हैं। वहीं कर्नाटक की चार सीटें 11 नवंबर, महाराष्ट्र की 5 सीटें छह दिसंबर को और उत्तर प्रदेश की 11 सीटें छह दिसंबर को रिक्त हो रही हैं। चारों राज्यों में विधान परिषद चुनाव के लिए 29 सितंबर 2026 को अधिसूचना जारी की जाएगी। इसके बाद उम्मीदवार छह अक्टूबर तक नामांकन दाखिल कर सकेंगे। इन चुनावों में 23 अक्टूबर को सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक मतदान होगा।

ट्रंप की ईरान को धमकी

संयुक्त राष्ट्र में बोले-डील करो,वरना......परमाणु हथियार पर दो टूक-ईरान की पूरी आर्थिक नाकेबंदी की अपील

नई दिल्ली। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान समेत कई मुद्दों पर अमेरिका का रुख सामने रखा। उन्होंने अमेरिका की अर्थव्यवस्था, सेना और तकनीक की मजबूती का जिक्र किया और अपनी सरकार के कामकाज को भी सामने रखा। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका अब पहले से ज्यादा मजबूत है। उन्होंने पिछली सरकार के दौर को अमेरिका के लिए मुश्किल समय बताया और कहा कि उनकी सरकार ने देश को एक नए दौर में पहुंचाया है। ट्रंप ने अपने भाषण में ईरान पर खास तौर पर बात की। उन्होंने ईरान पर आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया और कहा कि वह ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देंगे। ट्रंप ने कहा कि सत्ता में आने के बाद से ही उनका रुख साफ रहा है कि ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होंगे। उन्होंने ईरान के खिलाफ दबाव बढ़ाने की बात भी कही। ट्रंप ने ईरान के साथ भविष्य में समझौते की संभावना से भी इनकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि ईरान के सामने ऐसा समझौता करने का रास्ता है, जिससे वह आगे बढ़ सके, लेकिन इसके साथ उन्होंने कड़ी कार्रवाई की संभावना भी रखी। ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान के मामले में अमेरिकी मध्यावधि चुनाव उनके फैसले को प्रभावित नहीं करेंगे। उनके मुताबिक, उनके लिए सबसे अहम बात यह है कि ईरान के पास परमाणु हथियार न हों। ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र के मंच से दूसरे देशों से ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाने की अपील की। उन्होंने ईरान के खिलाफ पूरी आर्थिक नाकेबंदी की बात कही और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इसके लिए साथ आने को कहा। ट्रंप ने अपने भाषण में होर्मुज जलडमरूमध्य का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी नौसेना ने इस इलाके में तेल की आवाजाही को सुरक्षित रखने में भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि युद्ध शुरू होने के बाद तेल की आवाजाही में बदलाव आया है और अमेरिकी नौसेना लगातार जहाजों को सुरक्षित निकाल रही है। होर्मुज में तेल की आवाजाही को लेकर पहले से ही वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर दबाव बना हुआ है। ट्रंप ने अपने भाषण में यह भी कहा कि उनके लिए आठ युद्धों को सुलझाना और संबंधित देशों के नेताओं के साथ दोस्ती करना सम्मान की बात रही है। उन्होंने कहा कि इनमें से कई संघर्ष सालों और दशकों तक चले थे। ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान और आर्मेनिया-अजरबैजान समेत कई संघर्षों का जिक्र किया।

भूपेश के काफिले पर हमले के पीछे कांग्रेस की गुटबाजी

पंजाब के बाद असम में भी भूपेश बघेल अस्वीकार-मुख्यमंत्री साय..

रायपुर। संवाददाता

असम में उपचुनाव प्रचार के दौरान भूपेश बघेल और गौरव गोगोई के काफिले पर हुए हमले के मामले में श्रू साय ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पंजाब में भी भूपेश बघेल का विरोध हुआ और असम में भी विरोध हो रहा है। वहीं भाजपा मुख्य प्रवक्ता और सांसद संतोष पांडे ने इसे कांग्रेस की गुटबाजी का असर बताया है। सीएम साय ने कहा कि इसके पहले भूपेश बघेल पंजाब के प्रभारी थे, पंजाब में भी भूपेश बघेल का विरोध हुआ था। अब असम के प्रभारी बने और वहां भी विरोध हो रहा है। आज वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं का विरोध हो रहा है। कभी कांग्रेस देश और प्रदेश में राज करती थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की नीति अंग्रेजों की तरह फूट डालो और शासन करो है। उनका कहना है कि कांग्रेस की कथनी और करनी में बहुत फर्क है। जनता से जो वादा करते हैं वह पूरा नहीं करते हैं। छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस को जनता ने नकार दिया है। भाजपा मुख्य प्रवक्ता और सांसद संतोष पांडे ने प्रेस वार्ता करते हुए जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि हम सबको स्मरण है। बिहार चुनाव के वक्त पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ऑब्जर्वर बनकर पहुंचे हुए थे। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष, प्रभारी और अन्य नेताओं के साथ एयरपोर्ट पर झूमझटकी, प्रदर्शन हुआ था। इससे पूरा देश परिचित है। भूपेश बघेल जहां-जहां जाते हैं वहां बंटाधार कर देते हैं। असम प्रदेश अध्यक्ष, असम सचिव और भूपेश बघेल पर जो हमला हुआ, इसमें पूरे तरीके से कांग्रेस के लोग शामिल है।

रोहिणी जेल में विचाराधीन कैदी की धारदार हथियार से हत्या

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली की अति सुरक्षित मानी जाने वाली रोहिणी जेल में दोपहर एक विचाराधीन कैदी की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई। जेल परिसर में हुई इस वारदात के बाद प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और वारदात में शामिल आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, घटना दोपहर करीब 12 बजे की है। शस्त्र अधिनियम के तहत रोहिणी जेल में बंद कैदी प्रदीप उर्फ मोहिंदर पर किसी धारदार हथियार से हमला किया गया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जेल प्रशासन ने घायल कैदी को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया।

क्या वंदे मातरम् न गाना दंडनीय अपराध है?

दायर पीआईएल पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से मांगा जवाब...

नई दिल्ली/ एजेंसी

कर्नाटक संगीत के प्रसिद्ध गायक टी.एम. कृष्णा द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। याचिका में वंदे मातरम् को गाना अनिवार्य बनाने और इसे न गाने को दंडनीय अपराध की श्रेणी में लाने वाले प्रावधानों को चुनौती दी गई है। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ कर रही है। देश के राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' को लेकर दायर एक महत्वपूर्ण जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू हो गई है। कर्नाटक संगीत के प्रख्यात गायक टी.एम. कृष्णा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम' के तहत किए गए उन संशोधनों और गृह मंत्रालय के निर्देशों को चुनौती दी है, जो राष्ट्रगीत न गाने पर कानूनी या दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान करते हैं। कोर्ट ने याचिका पर विचार करते हुए केंद्र सरकार को अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। मुख्य न्यायाधीशसूर्य कांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने स्पष्ट किया कि कोर्ट इस बात पर विचार नहीं करेगा कि राष्ट्रीय गीत को केवल दो स्टैंजा (छंद) तक सीमित रखा जाए या इसे छह स्टैंजा तक बढ़ाया जाए। हालांकि, शीर्ष अदालत इस संवैधानिक बिंदु की कानूनी समीक्षा करने के लिए सहमत हो गई है।

वायरल वीडियो विवाद पहुंचा कोर्ट

अजय ने श्रीनेत और नेहा के खिलाफ किया मानहानि का दावा

धमतरी। संवाददाता

वायरल वीडियो को लेकर चल रहा सियासी विवाद अब अदालत तक पहुंच गया है। पूर्व मंत्री और कुरूद विधायक अजय चंद्राकर ने कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत और लोकगायिका व सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर नेहा सिंह राठौर के खिलाफ जिला सत्र न्यायालय में याचिका दायर की है। मामला स्वतंत्रता दिवस के दौरान सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो से जुड़ा है। चंद्राकर का आरोप है कि भाजपा के प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान बनाया गया पुराना वीडियो स्वतंत्रता दिवस का बताकर सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया। उनका कहना है कि इस तरह वीडियो प्रसारित किए जाने से उनकी सार्वजनिक छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया। इसी आधार पर उन्होंने दोनों के खिलाफ मानहानि का दावा पेश किया है। वायरल वीडियो मामले में धमतरी पुलिस ने अलग कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार कुरूद स्थित भाजपा कार्यालय में 22 मार्च 2026 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान भाजपा का झंडा फहराए जाने का वीडियो बनाया गया था। आरोप है कि बाद में इसी मूल वीडियो को डाउनलोड कर एडिट किया गया और उसे स्वतंत्रता दिवस से जोड़कर सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया। पुलिस ने भुनेश्वर निराला (25) और राकेश निराला (35) को 18 अगस्त को गिरफ्तार किया। दोनों सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के ग्राम जिल्दी के रहने वाले बताए गए हैं। पुलिस ने दोनों के मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। पूछताछ के बाद दोनों को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। पुलिस का दावा है कि वीडियो एडिट करने और सोशल मीडिया पर अपलोड करने से जुड़े डिजिटल साक्ष्य भी मिले हैं। स्वतंत्रता दिवस के दौरान सोशल मीडिया पर अजय चंद्राकर का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वे भाजपा का झंडा फहराते नजर आ रहे थे। वीडियो को इस दावे के साथ प्रसारित किया गया कि 15 अगस्त को उन्होंने तिरंगे की जगह भाजपा का झंडा फहराया। बाद की पड़ताल में पुलिस के अनुसार यह वीडियो 15 अगस्त 2026 का नहीं, बल्कि पहले के भाजपा प्रशिक्षण कार्यक्रम का था। इसी वीडियो को लेकर रायपुर के सिविल लाइन थाने में सुप्रिया श्रीनेत और नेहा सिंह राठौर के खिलाफ भी स्त्रडुक्र दर्ज की गई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 336(4), 353(2) और 196 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। अब अजय चंद्राकर की ओर से दायर मानहानि याचिका के बाद विवाद का एक और पहलू अदालत पहुंच गया है। मामले में आगे की न्यायिक कार्यवाही और दोनों पक्षों की दलीलों पर नजर रहेगी।

जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ प्राथमिकी और सीबीआई जांच की याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने पूर्व न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा के सरकारी आवास पर आग लगने के बाद कथित तौर पर बड़ी मात्रा में नकदी मिलने के मामले में प्राथमिकी दर्ज करने और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो या विशेष जांच दल से जांच कराने की मांग वाली याचिका सोमवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति अमित बंसल ने याचिका पर सुनवाई से इनकार करते हुए इसे 'बेबुनियाद तलाश' करार दिया और याचिकाकर्ता के अधिकार क्षेत्र पर सवाल उठाया।अधिवक्ता घनश्याम दयालु उपाध्याय ने यह याचिका दायर की थी। सुनवाई के दौरान अदालत ने पूछा कि याचिकाकर्ता के पास इस मामले में सीधे हाईकोर्ट आने का आधार क्या है, जबकि प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए अन्य कानूनी उपाय उपलब्ध हैं।

CMYK

कवर्धा में 132 केवी उपकेंद्र की सुरक्षा में घोर लापरवाही, खुला प्रतिबंधित परिसर

टूटा गेट, कमजोर फेंसिंग और आम आवाजाही से हादसे का बढ़ा खतरा

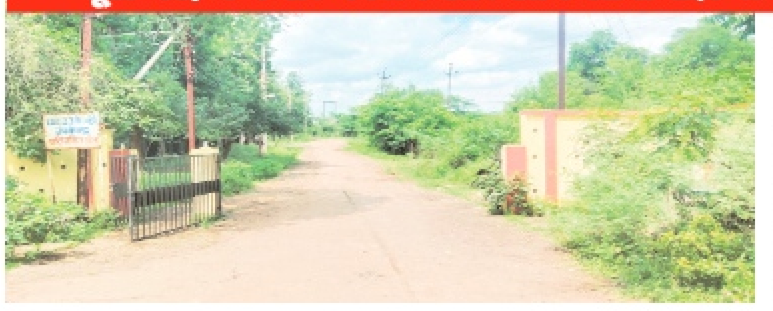

कवर्धा। जिला मुख्यालय के बीचों-बीच स्थित 132/33 केवी विद्युत उपकेंद्र की सुरक्षा व्यवस्था विभागीय लापरवाही की तस्वीर पेश कर रही है। गेट पर बड़े अक्षरों में प्रतिबंधित क्षेत्र लिखा है, लेकिन मौके पर प्रतिबंधित क्षेत्र की सुरक्षा ही सवालों के घेरे में है। मुख्य गेट का एक हिस्सा टूटा हुआ है, जबकि फेंसिंग और सुरक्षा व्यवस्था भी कई स्थानों पर कमजोर नजर आ रही है। हाई वोल्टेज विद्युत प्रतिष्ठान जैसे संवेदनशील परिसर की यह स्थिति गंभीर चिंता का विषय है। तस्वीरों में टूटे गेट के भीतर से कच्चा रास्ता गुजरता दिखाई दे रहा है, जहां पैदल लोगों के साथ बाइक और साइकिल से आवाजाही होने की बात सामने आ रही है। यदि परिसर प्रतिबंधित है तो अनधिकृत प्रवेश रोकने के लिए प्रभावी व्यवस्था क्यों नहीं है, यह बड़ा सवाल है। 132 केवी विद्युत उपकेंद्र में छोटी सी सुरक्षा चूक भी जानलेवा साबित हो सकती है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सुरक्षा एवं विद्युत आपूर्ति संबंधी उपाय) विनियम, 2023 में उच्च वोल्टेज वाले आउटडोर सबस्टेशन में अनधिकृत व्यक्तियों की पहुंच रोकने के लिए निर्धारित सुरक्षा व्यवस्था का प्रावधान है। वहीं विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 53 विद्युत प्रतिष्ठानों से उत्पन्न खतरों से आम जनता की सुरक्षा के लिए आवश्यक उपायों का प्रावधान करती है। ऐसे में टूटे गेट और कमजोर सुरक्षा व्यवस्था इन प्रावधानों के प्रभावी अनुपालन पर सवाल खड़े करती है।

स्थानीय जवाबदेही पर सवाल-जिला मुख्यालय में स्थित इस संवेदनशील उपकेंद्र की सुरक्षा के लिए संबंधित उपकेंद्र प्रभारी, स्थानीय विद्युत मंडल के सक्षम अधिकारी और सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी से जुड़े अधिकारियों की जिम्मेदारी तय होना जरूरी है। विभाग को यह स्पष्ट करना चाहिए कि गेट और फेंसिंग की खराब स्थिति की जानकारी संबंधित अधिकारियों को कब हुई, नियमित निरीक्षण में इसे क्यों नहीं सुधारा गया और मरम्मत के लिए अब तक क्या कार्रवाई की गई। यदि प्रतिबंधित परिसर के आसपास आम लोगों की आवाजाही हो रही है तो अनधिकृत प्रवेश रोकने की जिम्मेदारी भी स्थानीय स्तर पर तय होनी चाहिए। हादसे के बाद जांच और जिम्मेदारी तय करने के बजाय सुरक्षा में कमी सामने आते ही कार्रवाई जरूरी है। परिसर के आसपास झाड़-झंखाड़ का फैलाव भी चिंता बढ़ा रहा है। बारिश के मौसम में नमी और जलभराव जैसी परिस्थितियों के बीच विद्युत प्रतिष्ठानों के आसपास अतिरिक्त सुरक्षा सावधानी जरूरी होती है। ऐसे में नियमित निरीक्षण, सफाई, फेंसिंग की मरम्मत और प्रवेश नियंत्रण को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। जिला प्रशासन और बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल मौके का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करनी चाहिए। टूटे गेट की मरम्मत, फेंसिंग को मजबूत करने, झाड़-झंखाड़ हटाने, चेतावनी संकेतों को स्पष्ट करने और आम रास्ते से आवाजाही रोकने की कार्रवाई जरूरी है। प्रतिबंधित क्षेत्र का बोर्ड लगाना पर्याप्त नहीं है। वहां प्रतिबंध को जमीन पर लागू करना विभाग की जिम्मेदारी है। जिला मुख्यालय में ही यदि 132 केवी उपकेंद्र की सुरक्षा व्यवस्था कमजोर मिलती है तो यह संबंधित अधिकारियों की निगरानी और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े करता है। समय रहते व्यवस्था दुरुस्त नहीं हुई तो किसी संभावित हादसे की स्थिति में जिम्मेदारी तय करना भी प्रशासन के लिए चुनौती बनेगा।

नशे के खिलाफ कबीरधाम पुलिस का बड़ा एक्शन, तीन दिनों में 100 प्रकरण दर्ज

अवैध शराब बिक्री, शराब पिलाने की सुविधा और सार्वजनिक सेवन पर लगातार कार्रवाई

कवर्धा। जिले में अवैध शराब और नशे से जुड़ी गतिविधियों पर अंकुश लगाने कबीरधाम पुलिस का अभियान लगातार जारी है। पुलिस ने अवैध शराब की बिक्री, शराब पिलाने की सुविधा उपलब्ध कराने तथा सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन करने वालों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस के अनुसार, पिछले तीन दिनों में जिले में कुल 100 आबकारी प्रकरण दर्ज किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार एवं अमित कुमार पटेल के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में कार्रवाई की जा रही है। इसी अभियान के तहत 20 सितंबर को 29 आबकारी प्रकरण दर्ज कर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, अवैध रूप से शराब बिक्री करने के तीन मामलों में आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)(ख) के तहत कार्रवाई की गई। थाना पिपरिया क्षेत्र में सालिकराम पिता ईश्वर साहू तथा थाना पंडरिया क्षेत्र में अनिता पति मुन्नाराम साकत और कुंती पति साधुराम पंद्राम के विरुद्ध कार्रवाई की गई। इन मामलों में शराब एवं बिक्री की रकम जब्त की गई। शराब पिलाने की सुविधा उपलब्ध कराने वाले 17 व्यक्तियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 36-सी के तहत कार्रवाई की गई। इनमें कुण्डा, कुकदूर, बोड़ला, पंडरिया तथा चौकी पोड़ी क्षेत्र के संबंधित व्यक्ति शामिल हैं। सार्वजनिक स्थान पर शराब का सेवन करने वाले नौ व्यक्तियों के विरुद्ध धारा 36-च(1) के तहत कार्रवाई की गई।

सिनेमा से जुड़े साहित्यकारों ने की हिंदी सेवा, हिंदी भाषा में रोजगार के अवसर पर वक्तव्य

डोंगरगांव नगर। नगर के शासकीय डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा हिंदी भाषा के प्रति सकारात्मक वातावरण निर्मित करते विशेष आयोजन किया गया। इस मौके पर वक्ताओं ने हिंदी की प्रासंगिकता के साथ हिंदी में रोजगार के अवसर को लेकर विस्तृत जानकारी दी। प्राचार्य डॉ.एके धमगाये के दिशा निर्देशन एवं विभागाध्यक्ष डॉ.आशाराम साहू के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम पश्चात हिंदी विभागाध्यक्ष ने स्वागत भाषण में हिंदी की ऐतिहासिक यात्रा को रेखांकित करते हुए हिंदी में रोजगार के अवसर पर विशेष जानकारी विद्यार्थियों को प्रदान की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एके धमगाये ने हिंदी की वैश्विक स्थिति को बताते हुए वर्तमान में हिंदी की प्रासंगिकता को अभिव्यक्त किए। उन्होंने हिंदी एवं सिनेमा से जुड़े महत्वपूर्ण जानकारी बच्चों के साथ साझा की। इस दौरान उन्होंने सिनेमा से जुड़े रहकर साहित्य सेवा करने वाले साहित्यकारों को उकरित किया। उक्त अवसर पर महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने विविध कार्यक्रम प्रस्तुत किए। एमए हिंदी से नगीना, महेश्वरी, पंकज ने काव्यपाठ, कहानी, साहित्यकारों से जुड़ी हुई संस्मरण प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन सत्यम वैष्णव एवं आभार प्रदर्शन देवेन्द्र पटेल ने किया।

सेवा संकल्प अभियान में जनसेवा को लेकर भाजपा की बैठक, प्रज्ञा निर्वाणी ने कार्यकर्ताओं को दिलाया सेवा का संकल्प

बेमेतरा। सेवा संकल्प अभियान के तहत मोहभट्ठा स्थित सामुदायिक भवन, वार्ड क्रमांक 6 में भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष एवं शक्ति केंद्र प्रभारी प्रज्ञा निर्वाणी ने कार्यकर्ताओं की बैठक ली,बैठक में अभियान के तहत जनसंपर्क और समाजसेवा से जुड़े कार्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने को लेकर चर्चा की गई।

बैठक का आयोजन मंडल अध्यक्ष युगल देवांगन के मुख्य आतिथ्य में हुआ। भाजपा का सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाया जा रहा है, जिसमें जनभागीदारी के माध्यम से विभिन्न सेवा गतिविधियों को आगे बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

सेवा का संकल्प केवल कार्यक्रम नहीं, कार्यकर्ता के व्यवहार में दिखना चाहिए : प्रज्ञा निर्वाणी-बैठक को संबोधित करते हुए प्रज्ञा निर्वाणी ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज के प्रति अपने दायित्व को निभाने का अवसर है, भाजपा का कार्यकर्ता हमेशा समाज के बीच रहकर लोगों की समस्याओं को समझने और उनके समाधान में सहभागी बनने का प्रयास करता है। हमें सेवा की भावना को प्रत्येक बूथ, प्रत्येक वार्ड और प्रत्येक परिवार तक लेकर जाना है। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान कार्यकर्ता समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचें और जरूरतमंदों की सहायता, स्वच्छता, स्वास्थ्य, पर्यावरण तथा जनकल्याण से जुड़े कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने महिला कार्यकर्ताओं से भी अभियान में अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

विभिन्न सेवा एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित

दल्लीराजहरा। भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित किए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत दल्ली राजहरा में विभिन्न सेवा एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बच्चों के लिए चित्रकला कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत नगर पालिका उपाध्यक्ष मनोज दुबे ने विगत दिवस बच्चों को चित्रकला सामग्री प्रदान कर उन्हें इस रचनात्मक गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित किया था। इसी क्रम में बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों का निरीक्षण किया गया तथा प्रतिभागी बच्चों को उपहार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर बच्चों से संवाद करते हुए नगर पालिका उपाध्यक्ष मनोज दुबे ने उनसे पूछा कि आप सभी को पता है कि यह चित्रकला कार्यक्रम क्यों आयोजित किया गया है? बच्चों को बताया गया कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान मनाया जा रहा है और इसी अभियान के अंतर्गत यह चित्रकला कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

भगवान शिव जी सदैव स्व स्वरूप में है विराजमान : स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

बेमेतरा। ग्राम सलधा जहां सवा लाख शिवलिंग का ऐतिहासिक मंदिर बन रहा है वहीं उत्तराम्नाय ज्योतिष पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज का दिव्य भव्य चातुर्मास चल रहा है। सर्व प्रथम मां भद्रकाली जिला मानस संघ के द्वारा पादुका पूजन किया गया। दण्डी स्वामी ज्योतिर्मयानंद सरस्वती महाराज ने सलधा शिवलिंग स्थापित करने वाले भक्तों के नाम की घोषणा की। स्वामी ने विरुदावली का वाचन किया। शंकराचार्य ने कहा कि भगवान् शिव जी कृपा मूर्ति हैं एक बार भगवान गणेश जी खेल रहे थे उसी समय माता पार्वती जी को गणेश जी को गोद में लेने का मन किया तब माता पार्वती जी ने गणेश जी के पास आ के दोनों हाथ फैलाया तब गणेश जी गोद में आ गये उसी समय कार्तिकेय जी भी गोद में आने मचल गये तो माता ने कार्तिक जी को भी गोद में ले लिया उसी समय शिव जी भी आ गये और बोले कि हमें भी साथ ले लो तब माता पार्वती जी आकर शिव जी के हृदय में अपना सिर रख दिया और बोली कि गणेश जी कार्तिकेय जी शिव जी आपको गोद में लेना चाहते हैं तब शिव जी के गोद में चले गए। ऐसे भगवान शिव जी हमारी रक्षा करें। एक बार भगवान शिव जी ने यहां भगवान श्री विष्णु जी आये उसी समय भगवान शिव जी हाथी चर्म पहन कर उसमें एक सांप को बांध लिया और विष्णु जी के पास गये अगवानी करने भगवान श्री विष्णु के गरुड़ जी को देखकर सर्प भाग गया और शिव जी दिगंबर हो गये भगवान श्री विष्णु जी ने कहा कि आज तक हमारा ऐसा स्वागत कहीं नहीं हुआ है। भगवान शिव जी दिगंबर हैं वस्त्र नहीं पहनते क्यों वस्त्र है वो अविद्या है वस्त्र शरीर को ढंक देता है।

प्रधान पाठक अंबालिका पटेल ने स्कूल को जन सहयोग से सजाया-संवारा, तीन तीन पुरस्कार से सम्मानित

- उत्कृष्ट शाला के सम्मान से गौरवान्वित हुआ शासकीय प्राथमिक शाला साल्हेपुर

बेमेतरा। प्रकृति शिक्षण विज्ञान यात्रा छत्तीसगढ़ द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य, नवाचार, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, सामाजिक सहभागिता एवं विद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए शासकीय प्राथमिक शाला साल्हेपुर, विकासखंड बेरला को उत्कृष्ट शाला के रूप में सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन की ओर से कुरुद जिला धमतरी में आयोजित किया गया था। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर शाला की प्रधान पाठक अंबालिका पटेल को तीन तीन पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। अंबालिका पटेल के नेतृत्व में विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण एवं गतिविधि आधारित शिक्षण के साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर नवाचारी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। शाला के भौतिक एवं शैक्षणिक विकास में शाला प्रबंधन समिति, ग्राम पंचायत, पालक अभिभावकों एवं ग्रामीणजनों के सहयोग को जोड़ते हुए विद्यालय को बेहतर और प्रेरणादायी शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने के प्रयास किए गए हैं। प्रधान पाठक अंबालिका पटेल ने जन सहयोग और जन प्रतिनिधियों के सहयोग से अपने स्कूल को सजाया और संवारा। शासकीय प्राथमिक शाला साल्हेपुर को उत्कृष्ट शाला के रूप में राज्य स्तर पर सम्मान प्राप्त होने से पूरे गांव एवं शिक्षा परिवार में हर्ष और गौरव का वातावरण है। इस उपलब्धि पर शाला प्रबंधन समिति के सभी सदस्यों, ग्राम पंचायत डगनियां के सरपंच एवं समस्त पंचगण, ग्राम के नागरिकों, साथी शिक्षकों तथा विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रधान पाठक अंबालिका पटेल को बधाई दी। वहीं अभय जायसवाल जिला शिक्षा अधिकारी बेमेतरा, विकासखंड शिक्षा अधिकारी जयप्रकाश कर्माकर बेरला, नारायण ठाकुर सहायक शिक्षा अधिकारी बेरला, संकुल प्रभारी खिसोरा, संकुल समन्वयक तथा बेरला विकासखंड के शिक्षक साथियों ने भी प्रधान पाठक अंबालिका पटेल को इस उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए इसे विद्यालय एवं क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया।

बेमेतरा जिला दवा विक्रेता संघ ने यूपीआई पर एमडीआर लागू करने के फैसले पर जताई चिंता

बेमेतरा। भारत सरकार द्वारा 15 सितंबर 2026 को जारी आधिकारिक जानकारी के अनुसार 2,000 रुपये से अधिक के निर्दिष्ट पी2एम यूपीआई लेन-देन पर 0.4% मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू करने तथा 75,000 रुपये एवं उससे अधिक के लेन-देन पर एमडीआर को अधिकतम 300 रुपये प्रति लेन-देन तक सीमित करने के निर्णय पर छत्तीसगढ़ केमिस्ट एंड डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएशन सीसीडीए ने आपत्ति दर्ज कराई है। इस संबंध में सीसीडीए द्वारा वित्त मंत्री, भारत सरकार, नई दिल्ली को पत्र क्रमांक 006/2026 के माध्यम से औपचारिक अभ्यावेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त जानकारी बेमेतरा जिला दवा विक्रेता संघ के अध्यक्ष दिनेश दुबे एवं सचिव नवीन अग्रवाल द्वारा दी गई। उन्होंने बताया कि सीसीडीए के प्रदेश अध्यक्ष राकेश के. शर्मा एवं महासचिव अविनाश अग्रवाल द्वारा भेजे गए पत्र में निम्न बिंदुओं पर

सरकार का ध्यान आकर्षित कराते हुए बताया गया है कि औषधि व्यापार में उच्च-मूल्य के डिजिटल भुगतानः औषधि वितरण एवं खुदरा व्यापार में चिकित्सकीय दवाओं, सर्जिकल सामग्री तथा अन्य औषधीय उत्पादों के कारण अनेक वैध व्यापारिक भुगतान 2,000 रुपये से अधिक के होते हैं।

ऐसे लेन-देन पर एमडीआर लागू होने से प्रत्येक लेन-देन की लागत बढ़ने की संभावना है। औषधि व्यापार अन्य सामान्य व्यापारिक क्षेत्रों की तुलना में नियंत्रित एवं सीमित मार्जिन वाला क्षेत्र है। बैंकिंग, परिवहन, कर्मचारियों, विद्युत, किराया, डिजिटल प्रणाली तथा अन्य परिचालन व्यय के बाद उपलब्ध मार्जिन सीमित रहता है। अतः प्रत्येक डिजिटल भुगतान पर अतिरिक्त लागत का संचयी प्रभाव व्यापारियों के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है। आगे बताया गया है छोटे एवं मध्यम व्यापारियों पर संभावित प्रभावः यद्यपि वर्तमान व्यवस्था में छोटे व्यापारियों तथा 2,000 तक के अनेक लेन-देन को शून्य एमडीआर के अंतर्गत रखा गया है, तथापि औषधि व्यापार में 2,000 से अधिक के नियमित भुगतान सामान्य गतिविधि का हिस्सा हैं। इसलिए केवल राशि के आधार पर नहीं, बल्कि व्यापार की प्रकृति, मार्जिन एवं आवश्यक वस्तु की श्रेणी को भी नीति निर्धारण में ध्यान में रखा जाना चाहिए। औषधि क्षेत्र को विशेष श्रेणी में रखने का अनुरोध करते हुए कहा गया है कि औषधियां आवश्यक वस्तुओं की श्रेणी में आती हैं। अतः औषधि विक्रेताओं एवं वितरकों द्वारा किए जाने वाले वैध व्यापारिक यूपीआई लेन-देन को एमडीआर से मुक्त रखने अथवा औषधि क्षेत्र के लिए पृथक एवं रियायती व्यवस्था निर्धारित करने पर विचार किया जाना चाहिए।

प्यून और प्रयोगशाला परिचालक बनाने का दिया था भरोसा, नौकरी नहीं लगी तो थाने पहुंची शिकायत

सरकारी नौकरी का झांसा देकर 1.82 लाख की ठगी, दो युवकों से ऐंठे रुपये

बालोद। शिक्षा विभाग में सरकारी नौकरी लगवाने का झांसा देकर दो युवकों से 1 लाख 82 हजार रुपये ऐंठने का मामला सामने आया है। आरोपी ने एक युवक को प्यून और दूसरे को प्रयोगशाला परिचालक के पद पर नौकरी दिलाने का भरोसा दिया था। रकम लेने के बाद जब लंबे समय तक नौकरी नहीं लगी तो पीड़ितों ने बालोद सिटी कोतवाली पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी नवीन जोसेफ के खिलाफ धारा 318(4) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक जवाहरपारा वार्ड क्रमांक 11 निवासी पिंकेश निषाद (28) इलेक्ट्रिशियन का काम करता है। शिकायत में उसने बताया कि आरोपी नवीन जोसेफ उसका पड़ोसी है और धमतरी के क्रिश्चियन अस्पताल में काम करता है। पिंकेश के अनुसार 12 जनवरी 2021 को आरोपी उसके घर आया और शिक्षा विभाग में तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के पदों पर भर्ती निकलने की बात कही। उसने बड़े अधिकारियों से जान-पहचान होने और पहले भी कई लोगों की नौकरी लगवाने का दावा करते हुए पिंकेश को प्यून की नौकरी दिलाने का भरोसा दिया।

परिवार के सामने लिए 1.30 लाख रुपये-आरोपी ने नौकरी लगाने के लिए 2 लाख रुपये की मांग की। शिकायत के अनुसार पिंकेश ने परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में आरोपी को 1.30 लाख रुपये नकद दिए। इसके बाद 22 जनवरी 2021 को उसके बताए बैंक खाते में 12 हजार रुपये और ट्रांसफर किए। आरोप है कि नौकरी के नाम पर आरोपी ने पिंकेश से शैक्षणिक अंकसूचियों सहित जाति, निवास और आय प्रमाण पत्रों की मूल प्रतियां भी ले लीं।

साथी को भी बनाया निशाना-पिंकेश ने वर्ष 2024 में अपने साथी यीतेन्द्र कुमार (29) को आरोपी के बारे में बताया। यीतेन्द्र ने मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में शिक्षा विभाग के प्रयोगशाला परिचालक पद की भर्ती के लिए आवेदन किया था। आरोप है कि नवीन जोसेफ ने इस पद पर नौकरी लगवाने के लिए उससे भी 2 लाख रुपये मांगे और फोन-पे के जरिए रकम भेजने को कहा। शिकायत के मुताबिक 29 फरवरी 2024 को यीतेन्द्र ने 15 हजार, 10 हजार, 5 हजार और 10 हजार रुपये, कुल 40 हजार रुपये आरोपी को ट्रांसफर किए।

नौकरी नहीं लगी, रकम भी वापस नहीं-दोनों युवकों का आरोप है कि रकम लेने के बावजूद आरोपी ने न तो नौकरी लगवाई और न ही पैसे वापस किए। इस तरह पिंकेश से 1.42 लाख और यीतेन्द्र से 40 हजार, कुल 1.82 लाख रुपये लिए जाने की शिकायत पुलिस में की गई है। शिकायत की जांच के बाद पुलिस ने प्रथम दृष्ट्या आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। अब पुलिस रकम के लेन-देन, बैंक एवं फोन-पे ट्रांजेक्शन, नौकरी लगाने के दावे और पीड़ितों से लिए गए दस्तावेजों सहित पूरे मामले की जांच कर रही है।

विश्वकर्मा पूजा उत्सव धूमधाम से मनाया गया

दल्लीराजहरा। राजहरा खदान समूह के अंतर्गत नगर प्रशासक विभाग दल्ली राजहरा के सिविल मेंटेनेंस ऑफिस में सृष्टि के निर्माता भगवान श्री विश्वकर्मा की मूर्ति स्थापना कर विश्वकर्मा पूजा उत्सव 2026 धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में नगर प्रशासन के अंतर्गत आने वाले सिविल मेंटेनेंस विभाग, जलप्रदाय विभाग, सेनेटरी डिपार्टमेंट, जलप्रपात विभाग, मेंटेनेंस विभाग और उद्यान विभाग के कर्मचारियों के साथ-साथ नगर प्रशासक विभाग के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर सहयोग किया। विधि-विधान के साथ भगवान श्री विश्वकर्मा की मूर्ति की स्थापना कर पूजा-अर्चना की गई थी । पूजा के पश्चात सभी भक्तों के लिए खिचड़ी भोग का वितरण किया गया तथा सभी सहयोगकर्ताओं के परिवारों के लिए भी प्रसाद का विशेष इंतजाम किया गया था।

परंपरा अनुसार राजहरा बाबा स्थित सरोवर में भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा का विधि-विधान के साथ विसर्जन किया गया।

संक्षिप्त समाचार

चरित्र शंका ने बिगाड़ा रिश्ता, किराएदार ने गला दबाकर कर दी मकान मालिक की हत्या

रायपुर। राखी थाना क्षेत्र के ग्राम गनौद में चरित्र शंका को लेकर शुरू हुआ विवाद खूनी वारदात में बदल गया। मकान मालिक और किराएदार के बीच पत्नी से कथित अवैध संबंध के शक को लेकर चल रहा विवाद इतना बढ़ा कि किराएदार ने गुस्से में मकान मालिक का गला दबा दिया। दम घुटने से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान वेद राम साहू (45) निवासी ग्राम गनौद के रूप में हुई है। वारदात के आरोप में पुरुषोत्तम धीवर उर्फ छोटू (25) को गिरफ्तार किया गया है। वह मूल रूप से ग्राम धमनी भाटापारा, थाना मंदिर हसौद का रहने वाला है। बताया गया कि पुरुषोत्तम पिछले एक-दो साल से वेद राम साहू के मकान में किराए पर रहकर ऑटो पार्ट्स की दुकान संचालित कर रहा था। इसी दौरान वेद राम को अपनी पत्नी और किराएदार पुरुषोत्तम के बीच कथित अवैध संबंध होने का शक हुआ। इसी बात को लेकर दोनों के बीच आए दिन विवाद और कहासुनी होती थी। पुलिस जांच के अनुसार घटना के दिन भी दोनों के बीच इसी मुद्दे को लेकर विवाद शुरू हुआ। कहासुनी बढ़ने के बाद मामला हाथापाई तक पहुंच गया। इसी दौरान पुरुषोत्तम ने वेद राम का गला दबा दिया। गंभीर हालत में वह मौके पर ही गिर पड़ा और उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना शनिवार सुबह करीब 11.30 बजे राखी थाना पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

नाबालिग से अश्लील इशारे करने का आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। महिला एवं नाबालिगों से जुड़ी शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के लिए चलाए जा रहे अभियान संवेदना के तहत कोतवाली पुलिस ने नाबालिग से कथित अश्लील इशारे करने के मामले में आरोपी युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को घटना की शिकायत मिलने के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, 18 सितंबर को एक महिला ने थाना कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई। महिला ने बताया कि 17 सितंबर की रात करीब 9 बजे उसने अपनी 12 वर्षीय बेटी को घर के पीछे स्थित किराना दुकान से छोटे बच्चे के लिए पैंपर लेने भेजा था। कुछ देर बाद बच्ची रोते हुए घर लौटी और परिजनों को बताया कि दुकान संचालक भोलेनाथ कलेत ने उसके साथ कथित तौर पर अश्लील इशारे किए।

चाकू लहराकर लोगों को डराने वाला आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

रायपुर। गणेश पर्व के मद्देनजर क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए चल रही पुलिस पेट्रोलिंग के दौरान चिखली पुलिस ने चाकू लहराकर लोगों को डराने-धमकाने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक धारदार चाकू बरामद कर उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार, 19 सितंबर 2026 को मुदलियार कॉलोनी रोड, स्टेशनपारा क्षेत्र में पेट्रोलिंग के दौरान सूचना मिली कि एक युवक चाकू लहराकर आम लोगों को डरा-धमका रहा है और क्षेत्र में भय का माहौल बना रहा है। पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया।

सेवा संकल्प अभियान

उपमुख्यमंत्री ने 126.92 करोड़ के कार्यों का किया लोकार्पण-भूमिपूजन

■ शहर के विकास के लिए चार और बड़े कार्यों की घोषणा की

रायपुर/ संवाददाता

सेवा संकल्प अभियान के तहत रायगढ़ में विकास कार्यों को गति देने सोमवार को संत पूज्य श्री प्रियदर्शी राम जी ऑडिटोरियम पंजरी प्लांट रायगढ़ में भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव के मुख्य आतिथ्य में नगर निगम और लोक निर्माण विभाग के कुल 126.92 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन-लोकार्पण हुआ। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने शहर के विकास के लिए चार और बड़े कार्यों की घोषणा की। वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी. चौधरी दिल्ली से वर्चुअली कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को पूर्ण हो चुके आवासों की प्रतीकात्मक चॉबी भी सौंपी गई। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि रायगढ़ तेजी से विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। रायगढ़ जिले को विकसित जिला बनाने के लिए तेज गति से काम किया जा रहा है। सेवा संकल्प अभियान के तहत विकास कार्यों को गति देने के साथ नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर भी ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रायगढ़ नगर निगम की ओर से लगभग 10 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्यों की सूची उन्हें दी गई है। इन कार्यों के लिए शीघ्र स्वीकृति प्राप्त हो जाएगी। उन्होंने कहा कि रायगढ़ के विकास के लिए राशि की कोई कमी नहीं होगी। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि शहर की जरूरतों के अनुसार विकास कार्यों को प्राथमिकता से आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने शहर के विकास के लिए चार अतिरिक्त कार्यों की घोषणा की। इनमें संजय मार्केट के निर्माण एवं उन्नयन के लिए 15.67 करोड़ रुपए, रामलीला मैदान के विकास, मंच एवं पवेलियन निर्माण के लिए 5 करोड़ रुपए, तालाब के संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण के लिए 4.99 करोड़ रुपए तथा केवड़ाबाड़ी से मरीन ड्राइव तक सनलाईजेशन कार्य के लिए 9.97 करोड़ रुपए शामिल हैं। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि

रायगढ़ में सड़क, नाली, जल निकासी, बाजार, खेल और अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रायगढ़ औद्योगिक गतिविधियों के साथ अपनी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान के लिए भी जाना जाता है। विकास कार्यों के माध्यम से शहर की सुविधाओं को बेहतर बनाते हुए रायगढ़ को विकसित और सुव्यवस्थित शहर के रूप में आगे बढ़ाना है। उन्होंने निर्माण एजेंसियों से कहा कि विकास कार्यों को तेजी से पूरा किया जाए और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी. चौधरी ने दिल्ली से वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि रायगढ़ के विकास के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पिछले ढाई वर्षों में रायगढ़ नगर निगम को विभिन्न योजनाओं के तहत 384.66 करोड़ रुपए के कार्यों की स्वीकृति मिली है। वहीं लोक निर्माण विभाग के माध्यम से जिले में सड़क, भवन और पुल सहित विभिन्न कार्यों के लिए 1426 करोड़ रुपए की स्वीकृति का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि रायगढ़ के रिंग रोड के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। रायगढ़-घरघोड़ा फोरलेन तथा पूंजीपथरा-तमनार फोरलेन की दिशा में भी कार्य आगे बढ़ रहा है। इसके अलावा तमनार-उरगा-लैलूंगा, तमनार बाईपास, कया-कमतरा- चरखापारा-ससकोबा-बंधनपुर और कोड़ातराई-पुसौर फोरलेन सहित विभिन्न सड़क परियोजनाओं का भी उन्होंने उल्लेख किया। उन्होंने रायगढ़ में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, संगीत महाविद्यालय भवन और वर्किंग वूमेन हॉस्टल जैसे कार्यों की जानकारी भी दी। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि रायगढ़ की अधोसंरचना को उसकी औद्योगिक पहचान के अनुरूप मजबूत किया जा रहा है। लोकार्पण-भूमिपूजन कार्यक्रम को लोकसभा सांसद श्री राधेश्याम राठिया, राज्यसभा सांसद श्री देवेंद्र प्रताप सिंह और महापौर श्री जीवर्धन चौहान ने भी संबोधित किया।

रसूलपुर हत्याकांड में पांचवां आरोपी गिरफ्तार

रायपुर । रसूलपुर में वसीरुद्दीन सिद्दीकी पर चाकू से प्राणघातक हमला कर हत्या किए जाने के मामले में पुलिस ने पांचवें आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मोईन मियां (65) निवासी ग्राम सकलदीपा, थाना पांकी, जिला पलामू, झारखंड, वर्तमान निवासी रनपुर खुर्द सरनापारा, परसा, थाना अंबिकापुर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ पर्याप्त अपराध साक्ष्य मिलने के बाद उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस के मुताबिक, 16 सितंबर 2026 को सुबह करीब 10:15 बजे रसूलपुर, अंबिकापुर स्थित वसीरुद्दीन सिद्दीकी के घर तीन व्यक्ति किराये का मकान देखने के बहाने पहुंचे थे। मकान के संबंध में बातचीत के दौरान तीनों ने कथित तौर पर वसीरुद्दीन पर चाकू से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल वसीरुद्दीन को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मामले की शिकायत मृतक की बेटी ने थाना कोतवाली में दर्ज कराई थी। पुलिस को बताया गया कि उसका पति मो. नाजिम शबा के साथ तलाक का मामला न्यायालय में चल रहा है। आरोप है कि पूर्व में पति द्वारा केस वापस नहीं लेने पर महिला और उसके मायके पक्ष के लोगों को जान से मारने की धमकी दी गई थी। शिकायत के आधार पर थाना कोतवाली अंबिकापुर में अपराध क्रमांक 647/2026 के तहत धारा 109(1), 3(5) बीएनएस एवं धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज किया गया।

राहुल टिकरिहा ने एबीवीपी की ऐतिहासिक जीत पर दी बधाई...

■ राहुल गांधी के झूठ और भ्रम की राजनीति को युवाओं ने सिरे से नकारा

रायपुर। संवाददाता

भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ऐतिहासिक और शानदार जीत पर कहा है कि दिल्ली विश्वविद्यालय पूरे भारत के छात्रों की सोच और मिजाज को दर्शाता है। यह परिणाम स्पष्ट करता है कि देश के युवाओं और छात्रों का अटूट विश्वास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और उनकी राष्ट्र निर्माण की नीतियों पर अडिग

है। भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष श्री टिकरिहा ने सभी विजयी प्रत्याशियों एवं कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ दी हैं। इस चुनाव में एबीवीपी ने अध्यक्ष पद पर यश डबास, सचिव पद पर रिया छाबड़ी और सह-सचिव पद पर लक्ष्य राज सिंह की प्रचण्ड विजय के साथ तीन प्रमुख सीटों पर अपना परचम लहराया है। श्री टिकरिहा ने कहा कि यह परिणाम विपक्ष, विशेषकर राहुल गांधी के 'झूठ की गूंज' और विभाजनकारी राजनीति की करारी हार है। कांग्रेस और विपक्ष लगातार युवाओं को बरगलाने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन देश के जागरूक युवा वर्ग ने सकारात्मक राजनीति, राष्ट्रवाद और विकास के विजन को चुनकर उनके हर दुष्प्रचार को ध्वस्त कर दिया है। भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष श्री टिकरिहा ने कहा कि यह विजय सिर्फ एक छात्र संघ चुनाव की जीत नहीं है, बल्कि 'विकसित भारत' के संकल्प को गति देने वाले युवाओं के आत्मविश्वास का प्रतीक है। उन्होंने विजयी पदाधिकारियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई कि वे छात्र हितों और राष्ट्र सेवा के प्रति पूर्ण निष्ठा से कार्य करेंगे।

नमो सेवा-अनकही कहानियां छात्रों ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों की सेवा यात्रा का किया मंचन

■ उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने दर्शक दीर्घा में बैठकर छात्र-छात्राओं का बढ़ाया उत्साह

रायपुर/ संवाददाता

सेवा संकल्प अभियान के तहत संत पूज्य श्री प्रियदर्शी राम जी ऑडिटोरियम पंजरी प्लांट रायगढ़ में 'नमो सेवा-अनकही कहानियां' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डिग्री कॉलेज रायगढ़ के छात्र-छात्राओं ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की यात्रा और देश के प्रति उनके योगदान पर आधारित जीवंत नाट्य प्रस्तुति दी। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने दर्शक दीर्घा में बैठकर पूरी प्रस्तुति देखी और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। नाट्य मंचन में सेवा, समर्पण और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया गया। विद्यार्थियों ने अभिनय के माध्यम से विभिन्न परिस्थितियों और चुनौतियों के बीच लिए गए निर्णयों तथा देश के विकास से जुड़े विषयों को मंच पर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति की अतिथियों और दर्शकों ने सराहना की। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक आयोजित किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से सेवा और जनभागीदारी से जुड़े विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि अभियान में 12 संकल्प और 25 सेवा कार्यों को शामिल किया गया है। इन गतिविधियों का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों तक जनकल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के साथ लोगों को सेवा कार्यों से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थियों की प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं की ऊर्जा और रचनात्मकता समाज में सेवा और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत कर सकती है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की यात्रा को नाट्य रूप में प्रस्तुत किया है। इस दौरान विभिन्न परिस्थितियों और चुनौतियों के बीच देशहित से जुड़े निर्णयों और विकास के प्रयासों को मंच पर दिखाया गया। कोरोना महामारी के कठिन दौर सहित विभिन्न परिस्थितियों का भी प्रस्तुति में उल्लेख किया गया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है।

सेवा संकल्प माह की हवा दो दिन में निकल गई-कांग्रेस....

रायपुर/ संवाददाता

भाजपा के सेवा संकल्प माह की हवा दो दिन में ही निकल गयी। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि 17 सितंबर से भाजपा ने मोदी के जन्मदिन से एक माह तक कार्यक्रम करने का ऐलान किया था लेकिन पहले दिन सरकारी संसाधन और सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर दीया तो जला दिया लेकिन दो दिन में ही भाजपा के एक माह के कार्यक्रमों की हवा निकल गयी तथा घोषित सभी कार्यक्रम केवल घोषणाओं तक ही सीमित रह गया लोग यहां तक की भाजपा कार्यकर्ता भी मोदी के सेवा संकल्प माह से नहीं जुड़ना चाह रही। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत

ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष होने पर भाजपा 1 माह तक कार्यक्रम एक राजनैतिक नौटंकी है, दो दिन में असफल साबित हो गया। गोधराकांड से लेकर जेन जी आंदोलन तक का सफर मोदी की 25 सालों की उपलब्धियों में है। मोदी देश के सबसे विफल प्रधानमंत्री साबित हुये है। प्रधानमंत्री के रूप में मोदी के 12 साल तो देश की जनता को निराश करने वाले रहे है। 2014 में जो वादा किया था उसे पूरा नहीं किया, न 100 दिन में महंगाई कम हुई और न 2 करोड़ प्रतिवर्ष युवाओं को रोजगार मिला और न ही किसी के खाते में 15 लाख आये। जीएसटी, नोटबंदी से देश की अर्थव्यवस्था बर्बाद हुई। मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 सालों में उनको और भाजपा को फायदा हुआ है। वे जश्न मनाएं लेकिन देश की जनता को तो मोदी ने निराश किया है। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि मोदी के 25 साल में छत्तीसगढ़ में 1.50 करोड़ दीये जलाने का भाजपा का निर्णय भी छत्तीसगढ़ की जनता के जले पर नमक छिड़कने के जैसा था।

नन्हे दिल भाव्यांश को मिली नई धड़कन........

रायपुर। समय पर ली गई एक सही स्वास्थ्य जांच किसी मासूम का पूरा भविष्य संवार सकती है, इसका जीवंत उदाहरण धमतरी के नन्हें भाव्यांश साहू की यह सफलता की कहानी है। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के अंतर्गत संचालित 'चिरायु योजना' ने जन्मजात हृदयरोग से जूझ रहे इस बच्चे को न केवल समय पर सही इलाज दिलाया, बल्कि उसके परिवार के जीवन में खुशियों की एक नई रोशनी भी बिखेर दी। कहानी की शुरुआत फरवरी 2026 में हुई, जब शहरी चिरायु टीम धमतरी ने जालमपुर स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक-01 में बच्चों के स्वास्थ्य का नियमित परीक्षण किया। जांच के दौरान डॉक्टरों की सजग नजरों ने भाव्यांश में जन्मजात हृदयरोग के लक्षणों को तुरंत पहचान लिया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए टीम ने बिना कोई समय गंवाए बच्चे को आगे के उच्च स्तरीय उपचार के लिए श्री सत्य साईं अस्पताल, नया रायपुर रेफर किया और पूरे मार्गदर्शन तथा सहयोग के साथ परिजनों की हिम्मत बढ़ाई। अस्पताल में विशेषज्ञों की गहन जांच और परामर्श के बाद सर्जरी का निर्णय लिया गया। 31 अगस्त 2026 को भाव्यांश को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 2 सितंबर को विशेषज्ञ कार्डियाक सर्जनों की टीम द्वारा उसकी सफल हृदय सर्जरी संपन्न हुई। चिकित्सकों की निरंतर देखरेख और सही देखभाल का ही परिणाम था कि मासूम के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार आया।

मंत्री अग्रवाल ने कवर्धा में सिद्धेश्वर महादेव और संकट मोचन हनुमान मंदिर में की पूजा-अर्चना

मंत्री ने प्रदेश की सुख-शांति,समृद्धि और जनकल्याण के लिए की प्रार्थना

■ पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कवर्धा में सिद्धेश्वर महादेव और संकट मोचन हनुमान मंदिर में की पूजा-अर्चना

रायपुर/ संवाददाता

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आज कवर्धा के ऐतिहासिक रानी सागर तालाब परिसर स्थित आस्था के पावन केंद्र और कवर्धा राज परिवार न्यास द्वारा निर्मित श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर एवं श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं जलाभिषेक किया। उन्होंने भगवान श्री सिद्धेश्वर महादेव से समस्त प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाली की मंगल कामना की। इस अवसर पर मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान केवल यहां की प्राकृतिक सुंदरता से ही नहीं, बल्कि इसकी समृद्ध धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत से भी है। भोरमदेव और कवर्धा क्षेत्र आस्था, इतिहास और संस्कृति की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। हमारी सरकार का प्रयास है कि इन ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों का संरक्षण करते हुए इन्हें आधुनिक पर्यटन सुविधाओं से जोड़ा जाए, ताकि श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर अनुभव मिल सके तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार और आर्थिक गतिविधियों के नए अवसर भी सृजित हों। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की धरती आस्था और संस्कृति की विविध परंपराओं से समृद्ध है। इन परंपराओं को संरक्षित करना और नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के साथ पर्यटन विभाग की महत्वाकांक्षी भोरमदेव कॉरिडोर विकास परियोजना की प्रगति एवं आगामी कार्ययोजनाओं की समीक्षा के लिए कवर्धा प्रवास पर हैं। इस दौरान परियोजना से जुड़े कार्यों की वर्तमान स्थिति, निर्माण एवं विकास कार्यों की प्रगति तथा आगामी चरण की कार्ययोजना को लेकर समीक्षा की जाएगी। केंद्र सरकार के पर्यटन मंत्रालय की स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के अंतर्गत कबीरधाम के

भोरमदेव कॉरिडोर के विकास के लिए 145.99 करोड़ रुपये की परियोजना स्वीकृत है। भोरमदेव क्षेत्र छत्तीसगढ़ की धार्मिक और ऐतिहासिक विरासत का महत्वपूर्ण केंद्र है। कॉरिडोर के विकास से क्षेत्र में पर्यटन सुविधाओं के विस्तार, पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने और आसपास के प्रमुख पर्यटन स्थलों को एक समग्र पर्यटन अनुभव से जोड़ने की दिशा में काम आगे बढ़ेगा। मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि भोरमदेव केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यहां आने वाला पर्यटक मंदिरों की स्थापत्य कला, क्षेत्र की धार्मिक परंपराओं, प्राकृतिक सौंदर्य और स्थानीय संस्कृति को एक साथ अनुभव कर सकता है। भोरमदेव कॉरिडोर का विकास इस समृद्ध विरासत को बेहतर ढंग से सामने लाने का अवसर है। भोरमदेव कॉरिडोर के विकास से पर्यटन गतिविधियों के विस्तार के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। होटल, होम-स्टे, स्थानीय परिवहन, हस्तशिल्प, पारंपरिक खान-पान और स्थानीय उत्पादों से जुड़े लोगों को पर्यटकों की बढ़ती आवाजाही का लाभ मिलेगा। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि पर्यटन विकास का उद्देश्य केवल पर्यटकों की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि स्थानीय समुदायों को पर्यटन से जोड़ना भी है। स्थानीय संस्कृति, कला, हस्तशिल्प और पारंपरिक उत्पादों को पर्यटन गतिविधियों से जोड़कर क्षेत्र के लोगों के लिए आय के नए अवसर तैयार किए जाएगें। रानी सागर तालाब परिसर में पूजा-अर्चना के दौरान मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में धार्मिक पर्यटन की व्यापक संभावनाएं हैं। भोरमदेव जैसे स्थलों का विकास आस्था, संस्कृति, इतिहास और पर्यटन को एक साथ जोड़ने का माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि भोरमदेव कॉरिडोर आने वाले समय में छत्तीसगढ़ के धार्मिक पर्यटन को नई दिशा देने वाली महत्वपूर्ण परियोजना है। हमारा प्रयास है कि श्रद्धालुओं को सुविधाएं मिलें, पर्यटकों को बेहतर अनुभव मिले और स्थानीय लोगों को पर्यटन के माध्यम से आगे बढ़ने के अवसर प्राप्त हों।

संपादकीय

दखल की सीमा - अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर नहीं रोक सकते छात्रों का भविष्य

सवाल है कि वहां के कुछ विद्यार्थियों ने अगर किसी मसले पर अपनी असहमति जाहिर की थी, तो क्या यह उनकी अभिव्यक्ति की आजादी और अधिकार के तहत नहीं आता है। इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि अदालत में कानून के आधार पर पैरोकारी करने से जुड़ा कोई संगठन ही या तो अपने अधिकारों का बेजा इस्तेमाल करने की कोशिश करे और अपनी सीमा का अतिक्रमण करे। सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में स्पष्ट व्यवस्था दी है कि अपने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन करके कोई भी संस्था ऐसा आदेश पारित नहीं कर सकती, जिससे किसी का भविष्य बाधित हो।गौरतलब है कि हैदराबाद स्थित नालसार विधि विश्वविद्यालय के छात्रों के खिलाफ बार काउंसिल आफ इंडिया यानी बीसीआइ के अध्यक्ष ने कुछ समय पहले एक आदेश जारी कर दिया था कि वहां पढ़ने वाले पूरे बैच के विद्यार्थियों का वकील के रूप में नामांकन किसी भी राज्य के बार काउंसिल में न किया जाए। उसके बाद इस मसले पर काफी विवाद उठा था कि क्या सिर्फ इसलिए विद्यार्थियों के भविष्य या करिअर को बाधित क्या जा सकता है कि उन्होंने किसी कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश के आने पर आपत्ति जताई थी। हालांकि इस विवाद के तूल पकड़ने के बाद बीसीआइ के अध्यक्ष ने वह आदेश वापस ले लिया था, लेकिन यह सवाल अपनी जगह कायम रहा कि क्या उसके पास विद्यार्थियों के खिलाफ ऐसा आदेश जारी करने का अधिकार है।इसी मसले पर सुप्रीम कोर्ट ने साफ तौर पर कहा है कि बीसीआइ के पास विधि के छात्रों के आचरण को नियंत्रित करने की वैधानिक शक्ति नहीं है। अदालत ने यह भी कहा कि विद्यार्थियों के संबंध में किसी भी तरह की कार्रवाई करना उस संस्थान का विषय है। संस्थान अपने नियमों और विनियमों के मुताबिक इस पर फैसला ले सकता है। मगर हैरानी की बात यह है कि एक ऐसे मामले में बीसीआइ ने अतिरिक्त सजगता दिखाते हुए नालसार विधि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के खिलाफ फरमान जारी कर दिया था, जिससे उसका कोई सीधा वास्ता नहीं था। सवाल है कि वहां के कुछ विद्यार्थियों ने अगर किसी मसले पर अपनी असहमति जाहिर की थी, तो क्या यह उनकी अभिव्यक्ति की आजादी और अधिकार के तहत नहीं आता है। सिर्फ इसके लिए समूचे बैच के खिलाफ आदेश जारी कर देने की हड़बड़ी के पीछे आखिर कौन-सी मानसिकता काम कर रही थी? क्या बीसीआइ को इस बात का अंदाजा नहीं था कि अगर यह मामला अदालत में जाएगा, तो तर्कों और कानूनों की कसौटी पर उसे कैसे देखा जाएगा?यह विचित्र है कि बीसीआइ खुद कानून के पेशे को विनियमित करने वाली एक संवैधानिक संस्था है और इसके बावजूद उसे नियम-कायदों का पालन या अन्य तकाजों का ध्यान रखना जरूरी नहीं लगा। यों भी, बीसीआइ सिर्फ उन्हीं को विनियमित कर सकती है, जो वकील के रूप में नामांकित हो चुके हों। कानून के छात्रों की किसी गतिविधि पर कोई आदेश जारी करना उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं है।

आज मोबाइल फोन की लत एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। विभिन्न अध्ययनों में इसके कारण मानसिक तनाव, नींद की कमी, आंखों पर प्रतिकूल प्रभाव, मोटापा, अकेलापन, चिड़चिड़ापन, क्रोध, हिंसक व्यवहार तथा निर्णय लेने की क्षमता और सहनशीलता में कमी जैसी समस्याओं की ओर संकेत किया गया है। किसी आदत को छोड़ना कठिन हो सकता है, लेकिन लत से छुटकारा पाना उससे कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण होता है। इसका उदाहरण वे बच्चे हैं, जिनका मोबाइल फोन से संबंध इतना गहरा हो जाता है कि फोन न मिलने पर उनका व्यवहार असामान्य होने लगता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास के बाद यह स्थिति एक नए रूप में सामने आ रही है। छोटे-छोटे बच्चे अपने स्कूल का कार्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सहायता से करने लगे हैं। किसी सामान्य प्रश्न को हल करने से लेकर शोध कार्य और नई परियोजना तैयार करने के लिए कृत्रिम मेधा को प्राथमिकता दी जाती है। परिणामस्वरूप पुस्तकों से दूरी बढ़ रही है और खुद के दिमाग का इस्तेमाल संकुचित होता जा रहा है।

सवाल सिर्फ स्क्रीन टाइम का नहीं, तकनीक की दिशा और बच्चों की सोच पर मोबाइल-एआई के असर का भी है

(ज्योति सिड़ाना)

सृजनशीलता की पहली शर्त कल्पना है, लेकिन तकनीक के बढ़ते प्रभाव के बीच बच्चों को अपनी कल्पना से कुछ नया सोचने और करने के अवसर लगातार कम होते जा रहे हैं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि तकनीक बुरी नहीं होती, सवाल उसके सदुपयोग और दुरुपयोग का है।

मानव जीवन को सरल, सुरक्षित और समृद्ध बनाने में विज्ञान की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। मशीनीकरण से लेकर कृत्रिम मेधा तक कई आधुनिक सुविधाओं ने जीवन की राह को आसान कर दिया है। मगर इसी के साथ नई चुनौतियां भी पैदा हुई हैं। अब संयुक्त परिवारों की जगह एकल परिवार और अकेले रहने की प्रवृत्ति बढ़ी है। कृषि और लघु उद्योगों के स्थान पर कंप्यूटर-निर्देशित सेवा उद्योगों का विस्तार हो रहा है।

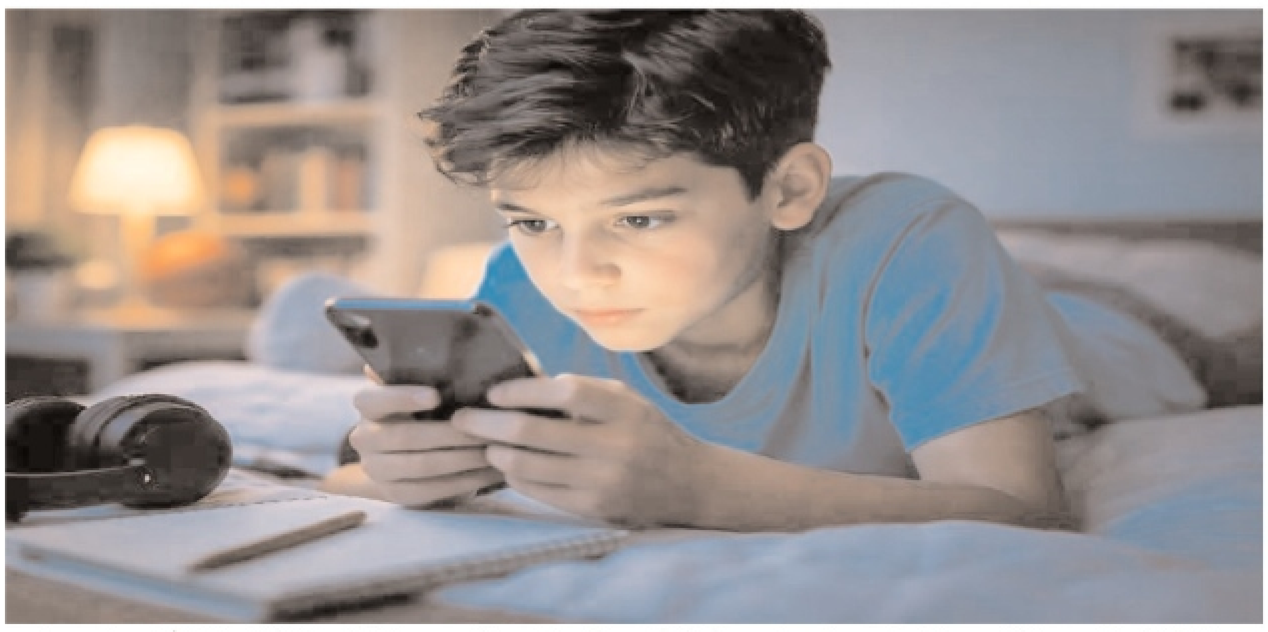

शिक्षा में इंटरनेट की भूमिका ज्यादा है। मानव श्रम की जगह रोबोट तथा मानव बुद्धि के स्थान पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता का वर्चस्व बढ़ रहा है। मशीनों का निर्माण श्रम को घटाने और कम समय में अधिक उत्पादकता के उद्देश्य से हुआ था। मगर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास के पीछे हमारी सोच क्या है, यह विचारणीय प्रश्न है। क्या मानव बुद्धि पर हमारा विश्वास कम हो गया है? आविष्कार और नवाचार जरूरी है, लेकिन इसकी दिशा ऐसी तकनीक की ओर मोड़ने की कोशिश क्यों नहीं की जा रही, जो गरीबी, असमानता, महिलाओं के प्रति हिंसा, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं के समाधान में सहायक हो?

हमें यह स्वीकार करना होगा कि तकनीक बुरी नहीं होती, सवाल उसके सदुपयोग और दुरुपयोग का है। अगर किसी तकनीक का इस्तेमाल आपराधिक गतिविधियों, समाज में वैमनस्य फैलाने, लोगों को मानसिक रूप से प्रभावित करने या उन्हें आत्मघाती कदम उठाने के लिए प्रेरित करने में किया जाए, तो जिम्मेदारी तकनीक की नहीं, उसके दुरुपयोग करने वालों की ही होती है। आज अक्सर ऐसी घटनाएं सामने आती रहती हैं, जिनसे तकनीक के बढ़ते प्रभाव की गंभीरता समझी जा सकती है।

पिछले दिनों महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में आइफोन पाने की जिद में एक परिवार के तीन सदस्यों की मौत की खबर ने समाज को झकझोर दिया। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा में मोबाइल फोन पर गेम खेलने से रोकने पर चौदह वर्षीय बच्चे की आत्महत्या कर लेने की घटना भी चिंता पैदा करती है। ऐसी घटनाएं बताती हैं कि स्मार्टफोन-इंटरनेट का अत्यधिक उपयोग केवल सुविधा का विषय नहीं है, बल्कि यह पारिवारिक और सामाजिक संबंधों को भी प्रभावित करने लगा है।

आज मोबाइल फोन की लत एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। विभिन्न अध्ययनों में इसके कारण मानसिक तनाव, नींद की कमी, आंखों पर प्रतिकूल प्रभाव, मोटापा, अकेलापन, चिड़चिड़ापन, क्रोध, हिंसक व्यवहार तथा निर्णय लेने की क्षमता और सहनशीलता में कमी जैसी समस्याओं की ओर संकेत किया गया है। किसी आदत को छोड़ना कठिन हो सकता है, लेकिन लत से छुटकारा पाना उससे कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण होता है। इसका उदाहरण वे बच्चे हैं, जिनका मोबाइल फोन से संबंध इतना गहरा हो जाता है कि फोन न मिलने पर उनका व्यवहार असामान्य होने लगता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास के बाद यह स्थिति एक नए रूप में सामने आ रही है। छोटे-छोटे बच्चे अपने स्कूल का कार्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सहायता से करने लगे हैं। किसी सामान्य प्रश्न को हल करने से लेकर शोध कार्य और नई परियोजना तैयार करने के लिए कृत्रिम मेधा को प्राथमिकता दी जाती है। परिणामस्वरूप पुस्तकों से दूरी बढ़ रही है और खुद के दिमाग का इस्तेमाल संकुचित होता जा रहा है।

हालत यह है कि बच्चों के लिए खेलना हो, तो मोबाइल, कुछ देखना हो तो मोबाइल, पढ़ना हो तो मोबाइल, कुछ सीखना हो तो मोबाइल और यहां तक कि किसी बीमारी के बारे में जानकारी प्राप्त करनी हो, तो भी मोबाइल। नई तकनीकों के इस्तेमाल का एक खास प्रभाव बच्चों की कल्पनाशीलता और सृजनशीलता पर भी दिख रहा है।

सृजनशीलता के लिए कल्पना आवश्यक है, लेकिन बच्चों को अपनी कल्पना के आधार पर कुछ नया सोचने और करने के अवसर नहीं मिल रहे। कई बार उन्हें कुछ अलग सोचने के बजाय तैयार सामग्री का अनुकरण करने के लिए प्रेरित किया जाता है। उनकी मौलिकता की उपेक्षा इसलिए भी होने लगी है, क्योंकि कृत्रिम मेधा तैयार समाधान उपलब्ध करा देती है।

इसी तरह सृजनशीलता को भी अब पेशेवर सफलता और बाजार से जोड़ कर देखा जाने लगा है। इसके लिए स्वाभाविकता और स्वतंत्र सोच आवश्यक है, लेकिन तकनीक ने बच्चों को एक सीमा तक 'कट, कॉपी और पेस्ट' संस्कृति का हिस्सा बना दिया है। जब हर चीज तैयार मिल जाए, तो स्वयं मेहनत करके सफल होने की इच्छा भी कम होने लगती है। आज बच्चों के लिए मोबाइल की स्क्रीन ही खेल का मैदान बन गई है। यह आदत निश्चित तौर पर बच्चों के शारीरिक और मानसिक व्यवहार को प्रभावित करती है। मोबाइल फोन पर लगातार अकेले गेम खेलते रहने से टीम भावना, धैर्य, चुनौतियों का सहजता से सामना करने की क्षमता, चिंतन तथा हार और जीत को समान भाव से स्वीकार करने की प्रवृत्ति कमजोर हो सकती है।

समाज-मनोवैज्ञानिक लगातार बच्चों को मोबाइल फोन से दूर रहने तथा 'स्क्रीन टाइम' सीमित करने की सलाह दे रहे हैं। बच्चों और अभिभावकों को यह समझना आवश्यक है कि मोबाइल कब जरूरी है और कब उससे दूरी बनाना बेहतर है। मगर बच्चों को केवल मोबाइल से दूर कर देना काफी नहीं होगा। परिवार के सदस्यों को भी बच्चों के साथ पर्याप्त समय बिताना होगा और उनकी गतिविधियों पर ध्यान देना होगा। विद्यालयों और महाविद्यालयों को बच्चों को नवाचार एवं स्वतंत्र चिंतन के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। यह इसलिए भी जरूरी है कि बच्चे अब आत्मकेंद्रित होते जा रहे हैं और आमने-सामने संबंधों की अपेक्षा आभासी संबंधों को अधिक महत्त्व देने लगे हैं।

वे काल्पनिक दुनिया में रहना तो चाहते हैं, लेकिन अपनी कल्पना को सृजनशीलता में बदलने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं करते। ऐसे में बच्चों को तकनीक से पूरी तरह काटने के बजाय उसका विवेकपूर्ण और सीमित उपयोग सिखाना अधिक व्यावहारिक समाधान है। याद रखना चाहिए कि इंटरनेट सूचना दे सकता है, लेकिन समझ, तर्क, विवेक और दृष्टिकोण विकसित करने की जिम्मेदारी मनुष्य की ही है।

टीवी बहसों का 'सर्कस' और मलबे में दबती जवाबदेही- क्या टीआरपी के आगे गौण हो गए असली मुद्दे?

(सुधीश पचौरी)

टीवी डिबेट्स में दिल्ली पीजी हादसे जैसी व्यवस्थागत विफलताओं को छोड़ 'नाराज फूफा' और धार्मिक विवादों पर सियासत हावी है। मीडिया का यह चयनात्मक रुख असली जनसरोकारों और प्रशासनिक जवाबदेही को छिपाता है। इस सप्ताह भी कुछ चैनलों पर 'मनुस्मृति' पर विपक्ष के एक नेता के सीधे हमले और उनके नारे 'पितृसत्ता को नष्ट करो' (स्मैश पैट्रिआर्की) पर चर्चा जारी रही। एक चर्चा में चर्चक विपक्षी नेता से पूछता रहा कि वे एक समुदाय को ही निशाना क्यों बनाते हैं, अन्य किसी धर्म में काम करती पितृसत्ता को नष्ट करने की बात क्यों नहीं कहते! इसके ठीक बाद केरल के एक बड़े मौलवी साहब ने फरमा दिया कि महिलाओं को घर के भीतर ही रहना चाहिएज्वे मंच पर आईं, तो तबाही मच जाएगी..! इससे बहस और भी फंसी। मौलवी साहब तो चर्चा में कुछ 'लिबरलों' के निशाने पर बने रहे, लेकिन 'पितृसत्ता को नष्ट करो' का नारा देने वालों ने उनके बयान पर कोई टिप्पणी नहीं की। 'सत्य निकेतन' इलाके में एक पीजी के अचानक गिरने से सात युवकों की हुई मौत को लेकर लगभग हर चैनल दिल्ली सरकार और उसके अधिकारियों पर लगातार हमलावर रहे और उनकी जवाबदेही मांगते रहे। इस एक घटना ने देश की व्यवस्था की पोल खोल दी कि किस तरह दिल्ली सरकार और प्रशासन के सामने अनगिनत विद्यार्थी पीजी माफिया की मनमानी के सामने लाचार हैं। हर दुर्घटना के बाद कुछ हो-हल्ला होता है, फिर कुछ समय बाद भूल जाते हैं और लाखों विद्यार्थी मनमाना किराया वसूले जाने और न के बराबर सुविधाएं पाने के भरोसे छोड़ दिए जाते हैं। जब दबाव बना और अदालत सजग हुई, तब दिल्ली भर के पीजी की जांच की बात कही गई। खतरनाक इमारतों को तोड़ने-गिराने की सरकारी मुहिम ने जोर पकड़ा। उधर दिल्ली विश्वविद्यालय भी छात्रावासों की सीटें बढ़ाने पर तैयार हुआ। यह भी स्पष्ट रहा कि दिल्ली में पढ़ने आने वाले सभी विद्यार्थियों को छात्रावास की सुविधा शायद कभी नहीं दी जा सकती। यानी फिर किसी 'दुर्घटना' पर रोने के लिए तैयार रहिए, क्योंकि 'पीजी सिस्टम' नहीं सुधरेगा। इसी बीच अयोध्या के राम मंदिर के इंतजाम के लिए सीईओ के पद पर एअर मार्शल जितेंद्र मिश्रा का 'चयन' भी विपक्ष को नहीं भाया और वे इस पर भी सवाल उठाते नजर आए। इसी तरह जब एक 'वैश्विक रैंकिंग संस्था' ने भारत को 'ए' रैंकिंग दी, तो विपक्ष फिर सवाल उठाने लगा कि ऐसा कैसे हो सकता है! फिर एक बड़ी खबर में जम्मू-कश्मीर की विधानसभा के वीडियो दिखाए जाते रहे कि विधान सभा में शासक पार्टी के बड़े नेता फारुख अब्दुला और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनके एमएलए, सब खड़े होकर आदरपूर्वक पूरे छह छंदों वाले 'वंदेमातरम्' का गान कर रहे हैं। इसे देख एक विपक्षी दल के कुछ नेता जम्मू-कश्मीर की विधान सभा में 'वंदेमातरम्' को पूरा गाने पर ही एतराज जताने लगे कि ऐसा क्यों किया! इस बीच एक दिन उज्जैन से हनुमानजी की एक प्रतिमा को प्रशासन द्वारा हटाने की पूरी कोशिश करके

> यानी फिर किसी 'दुर्घटना' पर रोने के लिए तैयार रहिए, क्योंकि 'पीजी सिस्टम' नहीं सुधरेगा। इसी बीच अयोध्या के राम मंदिर के इंतजाम के लिए सीईओ के पद पर एअर मार्शल जितेंद्र मिश्रा का 'चयन' भी विपक्ष को नहीं भाया और वे इस पर भी सवाल उठाते नजर आए। इसी तरह जब एक 'वैश्विक रैंकिंग संस्था' ने भारत को 'ए' रैंकिंग दी, तो विपक्ष फिर सवाल उठाने लगा कि ऐसा कैसे हो सकता है! फिर एक बड़ी खबर में जम्मू-कश्मीर की विधानसभा के वीडियो दिखाए जाते रहे कि विधान सभा में शासक पार्टी के बड़े नेता फारुख अब्दुला और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनके एमएलए, सब खड़े होकर आदरपूर्वक पूरे छह छंदों वाले 'वंदेमातरम्' का गान कर रहे हैं।

भी न हटा पाने की खबर कुछ इस तरह से आई, मानो कोई चमत्कार हो। बेहतर हुआ कि इस पर बहसें नहीं हुईं, क्योंकि अगर होतीं, तो एक ओर 'भक्त' होते जो इसे 'चमत्कार' कहते नहीं अघाते, दूसरे इसकी वैज्ञानिक जांच की मांग करते नजर आते। फिर जिन दिनों पीजी की इमारत गिर जाती हो, और बच्चे मर जाते हों उन दिनों ऐसे चमत्कारों की खबरें दुर्घटनाओं को मुंह चिढ़ाती दिखती हैं। बेहतर हो कि ऐसी घटनाओं की वैज्ञानिक जांच हो और अंधविश्वास तथा विश्वास में फर्क बताया जाए। फिर कुछ चैनलों पर 'संविधान बरक्स शरिया' को लेकर बहसें होती रहीं? ऐसी बहसें जाने कितनी बार दुहराई गई हैं।

मलबे पर डांट-फटकार और कागजी जांच, क्या हर हादसे के बाद भूल जाना ही दिल्ली की नियति है?

> दिल्ली में विश्व के कई बड़े राजनेता आए और अपने प्रधानमंत्री ने शान से उनका स्वागत किया, लेकिन इसके बावजूद मुझे लग रहा है कई दिनों से कि जब से काकरोच जनता पार्टी ने जंतर मंतर पर अपना प्रदर्शन किया है, प्रधानमंत्री बौखला से गए हैं। पिछले सप्ताह जो सिर्फ शक था मेरे दिमाग में, वह यकीन में बदल गया, क्योंकि यह समझना मुश्किल है मेरे लिए कि जिस दिन दिल्ली में नौजवान विद्यार्थियों के शव उस इमारत के मलबे से निकाले जा रहे थे, नरेंद्र मोदी क्यों दिखे गुजरात में एक ऐसे मंच पर जिस पर उनको नहीं होना चाहिए था।

(तवलीन सिंह)

दिल्ली में अवैध पीजी इमारत हादसे ने छात्रों की सुरक्षा, प्रशासनिक भ्रष्टाचार और बुनियादी सुविधाओं की कमी पर बड़े सवाल खड़े किए हैं। हर हादसे के बाद होती राजनीति के बीच जमीनी हालात जस के तस बने हुए हैं। हम जैसे लोग जिनका काम है राजनीति और राजनेताओं की हरकतों तथा बदलती आदतों पर नजरें टिका कर रखना, उन छोटी-छोटी तब्दीलियों को भी ध्यान से देखते हैं। निजी तौर पर मेरा ध्यान रहता है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर, इसलिए कि यकीन है मुझे कि उनकी सरकार और भारतीय जनता पार्टी, उनके बल पर चलती है। प्रधानमंत्री जब कमजोर दिखते हैं, तो सत्ता का पूरा ढांचा हिल-सा जाता है। दिल्ली में विश्व के कई बड़े राजनेता आए और अपने प्रधानमंत्री ने शान से उनका स्वागत किया, लेकिन इसके बावजूद मुझे लग रहा है कई दिनों से कि जब से काकरोच जनता पार्टी ने जंतर मंतर पर अपना प्रदर्शन किया है, प्रधानमंत्री बौखला से गए हैं। पिछले सप्ताह जो सिर्फ शक था मेरे दिमाग में, वह यकीन में बदल गया, क्योंकि यह समझना मुश्किल है मेरे लिए कि जिस दिन दिल्ली में नौजवान विद्यार्थियों के शव उस इमारत के मलबे से निकाले जा रहे थे, नरेंद्र मोदी क्यों दिखे गुजरात में एक ऐसे मंच पर जिस पर उनको नहीं होना चाहिए था। वडोदरा के किसी कालेज का मंच था वह और जो अंग्रेजी गाना बज रहा था, उसके शब्द अगर प्रधानमंत्री को किसी ने बताए होते, तो किसी भी हाल में वे उस मंच पर नहीं जाते। वह गाना था 'वी विल, वी विल, राक यू'ज उसकी कुछ पंक्तियां ये हैं- 'दोस्त आप बुड्ढे हो, गरीब होज आपके चेहरे पर मिट्टी है और आप दुनिया की नजरों में इतने गिरे हुए हो कि समय आ गया है कि कोई आपको अपनी औकात बताए।' शब्द गाए नहीं गए थे उस दिन, सिर्फ गाने की धुन बजाई गई थी, लेकिन क्या प्रधानमंत्री जानते हैं कि कितना बुरा लगा उनको उस मंच पर दिखाया जाना, ऐन उस वक्त जब दिल्ली में उस अवैध पीजी के मलबे से छात्रों के शव निकाले जा रहे थे। माना कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम बहुत पहले तय किए जाते हैं, लेकिन जब कोई बड़ा हादसा हो जाता है, तो

उनको बदल देने की गुंजाइश हमेशा होती है। प्रधानमंत्री की बौखलाहट के उदाहरण और भी हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर में जब शोकसभाएं चल रही थीं, मोदी श्रीराम कालेज आफ कामर्स गए जहां उन्होंने अपने भाषण में एक ऐसी बात कहीं जो कहनी नहीं चाहिए थी। उन्होंने एक बार फिर 'दिमागी नक्सल' का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने लालकिले से दिमागी नक्सलों का जिक्र क्या किया कि सारे दिमागी नक्सल बाहर आने लग गए। हो सकता है कि प्रधानमंत्री ने छात्रों के लिए ये शब्द इस्तेमाल न किए हों, लेकिन इन शब्दों को काकरोच जनता पार्टी के लोगों ने इसे अपनी तरफ इशारा समझ कर खूब मजाक करते हुए उछाला सोशल मीडिया पर। दिल्ली में उस इमारत के गिरने के बाद काकरोच जनता पार्टी के नेताओं ने पीजी को मुद्दा बना कर कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर डाली हैं, यह साबित करने के लिए कि देश के छात्रों को वास्तव में 'काकरोचों' की तरह जीवित रहने पर मजबूर किया है नेताओं और सरकारी अधिकारियों ने। इन तस्वीरों में दिखाई गई हैं तंग गलियां जहां बिजली के तारों के मोटे गुच्छे लटके दिखते हैं। इन बेहाल गलियों में बने हैं वे पीजी, जिनमें दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र रहते हैं सिर्फ इसलिए कि विश्वविद्यालय ने उतने छात्रावास नहीं बनाए हैं जिनकी जरूरत है। पहला सवाल यह है कि छात्रावास क्यों नहीं बने हैं? छात्रों को क्यों रहना पड़ता है छोटे-छोटे कमरों में जिनका मासिक किराया 16,000 रुपए से कम नहीं है? सवाल और भी हैं।

दिल्ली में 'डबल-इंजन' नहीं, 'ट्रिपल-इंजन' सरकार है जिसके शासनकाल में बने हैं ये असुरक्षित और अवैध छात्रावास। क्या सो रहे थे दिल्ली के शासक या उनकी आंखें नहीं थीं? इमारत गिरने के बाद दिल्ली की मुख्यमंत्री ने कई दिखावे किए मलबे के बीच अपने अफसरों को डांटने के। जैसे सारा दोष उनका था, मुख्यमंत्री का नहीं। दिन भर दिखीं मलबे के ऊपर खड़ीं और बाद में पत्रकारों से उन्होंने कहा कि जांच होगी और हिसाब लिया जाएगा पूरी तरह, लेकिन शायद जानती नहीं हैं मुख्यमंत्री कि बिल्कुल इसी तरह के बयान दिए गए थे, जब मालवीय नगर में कुछ महीने पहले अवैध इमारत गिरी थी। उस हादसे के बाद वादा किया गया था कि जितनी भी अवैध इमारतें हैं दिल्ली में, उनका पूरा निरीक्षण होगा और सरकार 'एक्शन' लेगी। यथार्थ यह है कि कुछ नहीं हुआ है। यथार्थ यह भी है कि भविष्य में कुछ नहीं होगा, इसलिए कि अवैध निर्माण होता है सबकी सांठगांठ से। इसमें नेता शामिल हैं, अधिकारी भी और नगरपालिका चलाने वाले भी। भ्रष्टाचार इतना अधिक है कि इसको अगर कभी भविष्य में रोका जाए, तो चमत्कार ही माना जाएगा। मैं दिल्लीवासी हूं बचपन से, इसलिए काफी हद तक मेरा वास्ता रहा है स्थानीय अधिकारियों और नगरपालिका के मुलाजिमों से। निजी अनुभव से बता सकती हूं कि खुल कर पैसे मांगे जाते हैं जब निर्माण में कुछ अवैध पाया जाता है, लेकिन इसलिए कि अमीरों से ज्यादा पैसा बनता है, तो नगरपालिका के अफसरों की नजरें टिकी रहती हैं दिल्ली के आला रिहाइशी इलाकों पर। जब भी कोई छोटा-मोटा अवैध निर्माण पाया जाता है, तो ये लोग डराने-धमकाने लगते हैं। मगर तब चुप हो जाते हैं, जब उनकी घूस की मांगें पूरी कर दी जाती हैं। दिल्ली की आधी रिहाइशी कालोनियां अवैध हैं, जिनमें सबसे बड़ा इलाका है सैनिक फार्म का। इतना बड़ा रिहाइशी इलाका कैसे बना अवैध तरीके से? तंग गलियों और अनियोजित बाजारों के बीच बनी हैं अमीरों की आलीशान कोठियां, जिनसे हर साल वसूली होती है। नरेंद्र मोदी से मेरे जैसे लोगों की उम्मीद थी कि उनके आने से दिल्ली का हाल सुधर जाएगा। आज क्या उम्मीद रख सकते हैं हम, जब प्रधानमंत्री इतना बौखलाए हुए दिखने लगे हैं। दिल्ली में उस इमारत के गिरने के बाद काजपा के नेताओं ने पीजी को मुद्दा बना कर कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर डाली हैं, यह साबित करने के लिए कि देश के छात्रों को वास्तव में 'काकरोचों' की तरह जीवित रहने पर मजबूर किया है नेताओं और सरकारी अधिकारियों ने। इन तस्वीरों में दिखाई गई हैं तंग गलियां जिनमें बिजली के तारों के मोटे गुच्छे लटके दिखते हैं।

सेवा संकल्प अभियान को जनभागीदारी का व्यापक अभियान बनाने के निर्देश
मुख्य सचिव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से की समीक्षा, कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा हुई शामिल

बालोद। सेवा संकल्प अभियान को जनभागीदारी, सेवा भावना और सामाजिक सहयोग का व्यापक माध्यम बनाने के उद्देश्य से मुख्य सचिव विकासशील ने सोमवार को मंत्रालय महानदी भवन, रायपुर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बालोद सहित प्रदेश के सभी जिलों के कलेक्टरों के साथ बैठक की। इस दौरान बालोद कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में सम्मिलित हुईं। इस अवसर पर वनमण्डलाधिकारी अभिषेक अग्रवाल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं सेवा संकल्प अभियान के नोडल अधिकारी सुनील कुमार चंद्रवंशी, अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक एवं नूतन कंवर, संयुक्त कलेक्टर मधुहर्ष, राजस्व अनुविभागीय अधिकारी सुरेश साहू, प्रतिमा ठाकरे झा, प्राची ठाकुर सहित जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी वर्चुअली उपस्थित रहे। मुख्य सचिव विकासशील ने बैठक में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक

संचालित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिलेवार गतिविधियों और तैयारियों की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान को केवल एक आयोजन तक सीमित न रखते हुए इसे जनभागीदारी और एक-दूसरे की मदद की भावना को मजबूत करने का अवसर बनाया जाए। उन्होंने कलेक्टरों को अभियान के तहत आयोजित होने वाली गतिविधियों में अधिक से अधिक नागरिकों, स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों, युवा संगठनों और स्व-सहायता समूहों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में ब्लॉक एवं तहसील स्तर पर आयोजित होने वाले सेवा सेतु शिविरों की तैयारियों की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने शिविरों में प्राप्त आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही केंद्र शासन की चिन्हित 26 प्रमुख योजनाओं को शिविरों में शामिल कर पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन और लोक सेवा गारंटी से संबंधित लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा कर उनका समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने कहा गया। मुख्य सचिव ने बताया कि 23 से 25 सितंबर तक नगरीय निकाय क्षेत्रों में तथा 2 से 8 अक्टूबर तक प्रदेशभर में 'सेवा मेरा योगदान' के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इनमें सेवा एवं स्वच्छता, अन्न एवं वस्त्र दान, विद्या दान एवं शिक्षा सहयोग, कौशल एवं ज्ञान दान, स्वास्थ्य एवं रक्तदान, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सुरक्षा एवं जागरूकता तथा स्थानीय उत्पादन और महिला सशक्तिकरण जैसी गतिविधियां शामिल होंगी। इन गतिविधियों में एनसीसी, एनएसएस, स्वयंसेवक, स्व-सहायता समूह, सामाजिक संस्थाओं, युवा संगठनों तथा 'मेरा युवा भारत' से जुड़े युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सभी गतिविधियों की जानकारी फोटोग्राफ्स सहित माय भारत पोर्टल पर अपलोड करने कहा गया। सेवा संकल्प एवं दान उत्सव के अंतर्गत महा अन्नदान, वस्त्र दान, शिक्षा सहयोग, स्कूल किट एवं बुक ट्री, गरिमा किट वितरण, स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर जैसी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इन गतिविधियों का लाभ अनाथालयों, वृद्धाश्रमों और जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए। सामाजिक संस्थाओं और समितियों को भी अभियान से सक्रिय रूप से जोड़ने कहा गया। मुख्य सचिव ने अंगदान एवं देहदान के लिए लोगों को जागरूक करने तथा ऐसे परिवारों को सम्मानित करने के निर्देश दिए, जिन्होंने अपने परिजनों के अंग अथवा देहदान का संकल्प लिया या दान किया है। हरित छत्तीसगढ़ अभियान के अंतर्गत 'एक पेड़ मां के नाम' पहल के साथ स्थानीय प्रजातियों के 10 हजार पौधों के रोपण का लक्ष्य रखा गया है। मुख्य सचिव ने पौधरोपण, जल संरक्षण और जल स्रोतों की साफ-सफाई जैसी गतिविधियों में व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

गिरदावरी, जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा

मुख्य सचिव ने फसल गिरदावरी सर्वे में शुद्धता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने तहसीलदारों एवं पटवारियों के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने कहा। जल जीवन मिशन की समीक्षा के दौरान निर्धारित लक्ष्य के अनुसार नल कनेक्शन उपलब्ध कराने और उन्हें क्रियाशील करने के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। साथ ही जल जीवन मिशन की साप्ताहिक समीक्षा करने तथा आवश्यकता के अनुसार विभागीय अधिकारियों के साथ समन्वय कर समस्याओं का तत्काल निराकरण करने कहा गया। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में निर्धारित लक्ष्यों की नियमित समीक्षा और प्रभावी रिपोर्टिंग पर भी जोर दिया गया।

कलेक्टरों को नेतृत्व के साथ बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने के निर्देश

मुख्य सचिव ने कहा कि कलेक्टर जिले के नेतृत्वकर्ता हैं। इसलिए सभी अभियानों का प्रभावी नेतृत्व करते हुए विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करें और परिणाम सुनिश्चित करें। सेवा संकल्प अभियान की सभी गतिविधियों और उपलब्धियों को गूगल शीट में व्यवस्थित रूप से दर्ज करने के निर्देश दिए गए, ताकि जिलेवार प्रगति की प्रभावी मॉनिटरिंग की जा सके। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने बालोद जिले में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत संचालित गतिविधियों एवं आगामी कार्यक्रमों के संबंध में आवश्यक जानकारी प्राप्त की तथा जिले में अभियान को जनभागीदारी के साथ प्रभावी रूप से संचालित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

महार समाज महिला मोर्चा की नई कार्यकारिणी का गठन

बीजापुर। महार समाज महिला मोर्चा की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। डॉ अंबेडकर मंगल भवन में बीजापुर जिले के चारों विकासखंड की महिलाएं उपस्थित हुए। सर्वप्रथम हमारे मसीहा डॉ बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की छायाचित्र पर पूजा अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। मनोनयन से पूर्व समाज के संरक्षक एवं पदाधिकारी डी एस राम, डी नागेश्वर, जी मल्लाराम, आर डी झाड़ी, जय हिंद लाटकर, मल्लैया दुर्गम, प्रकाश कावरे, राजेंद्र झाड़ी, जे चिन्नना, देवेंद्र झाड़ी, कैलाश रामटेके ने समाज की उपस्थिति सदस्यों महिलाओं को संबोधित करते हुए संगठन की गठन पर अपने-अपने विचार व्यक्त किया तत्पश्चात सर्वसम्मति से मनोनयन की प्रक्रिया पूरी की गई। जिन नए महिला पदाधिकारीयों का चयन किया गया है इस प्रकार हैं अध्यक्ष सत्या गांधरला

उपाध्यक्ष राधा झाड़ी जुमड़े, रमा मोरला, रामजया मरकेला, सम्मका पाटनकर।

सचिव लक्ष्मी वैध सह सचिव उर्मिला दुर्गम, सुशीला सुन्नम, कृष्णावेणी जंगम, रुचि झाड़ी संगठन सचिव लालेश्वरी दुर्गम, सह सचिव किष्ठी बाई झाड़ी। कोषाध्यक्ष सुनीता गांधरला उपकोषाध्यक्ष कमला झाडी, सुमित्रा केजी, कुम्मर सुनीता। समस्त पुराने पदाधिकारी को संरक्षक बनाया गया है जिसमें दुर्गेश्वरी रामटेके, मीना दुर्गम, विंकी मोरला, सुशीला जुमड़े। उपस्थित समाज के लोगों ने नव मनोनीत पदाधिकारीयों को बधाई दी एवं समाज के उत्थान हेतु कार्य करने को प्रेरित किया। कार्यक्रम का का संचालन समाज के सचिव के डी झाड़ी द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में समाज के कार्यकारी अध्यक्ष अजय दुर्गम, प्रकाश कावरे, बसंत मामडीकर, सतीश झाड़ी, डी सुब्बैया, निर्मल जुमड़े, विजय झाड़ी, विहान दुर्गम, बापू राम दुर्गम, रामकुमार दुधी, थैलेश झाड़ी आदि ने अपना सहयोग प्रदान किया।

बीटीओए में फिर मनोज सिंह पर भरोसा, अध्यक्ष पद पर दोबारा जीत, तरुण सोनी चुने गए सचिव

किरंदुल। बैलाडीला ट्रक ओनर्स एसोसिएशन के सदस्यों ने एक बार फिर मनोज कुमार सिंह पर भरोसा जताते हुए उन्हें अध्यक्ष चुना है। संस्था कार्यालय में हुए चुनाव में मनोज सिंह ने अध्यक्ष पद पर दोबारा जीत दर्ज की। वहीं तरुण सोनी राम को सचिव चुना गया। चुनाव में रतन कर्मकार कालू और विजयंत सिंह गौतम वीरू

उपाध्यक्ष, कृष्ण जीवन शुक्ला कोषाध्यक्ष तथा वैभव गौरांग साहा और अजय रुपचंदानी अजू सह-सचिव निर्वाचित हुए। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने कहा कि एकता, सहयोग और विकास के साथ सभी ट्रक मालिकों के हित में मिलकर काम किया जाएगा। चुनाव परिणाम के बाद समर्थकों में उत्साह का माहौल रहा।

साप्ताहिक बाजार की अव्यवस्था को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ग्रामीण बड़े बचेली पलनाथ पदाधिकारियों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

किरंदुल। किरंदुल के साप्ताहिक बाजार में ग्रामीणों को हो रही परेशानी को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ग्रामीण बड़े बचेली (पालनार) के ब्लॉक अध्यक्ष नन्दा राम कुंजाम, जिला कांग्रेस दंतेवाड़ा महामंत्री भीमा मंडावी, प्रदेश सचिव अनुसूचित जनजाति राजू भास्कर, अजय मरकाम एवं अन्य सदस्यों द्वारा एसडीएम बड़े बचेली को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बताया गया कि किरंदुल में रविवार एवं बुधवार को लगने वाले साप्ताहिक बाजार में दूर-दराज से

ग्रामीण साग-सब्जी बेचने आते हैं। ग्रामीणों के लिए बने शेड पर व्यापारियों का कब्जा है, जिसे मुक्त कराकर ग्रामीणों को देने तथा बाजार के दिनों में बैरिकेडिंग कर भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाने की मांग की गई है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कमिश्नर और कलेक्टर्स की बैठक ली

जगदलपुर। मुख्य सचिव छत्तीसगढ़ शासन विकास शील ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कमिश्नर और कलेक्टर्स की बैठक ली और सेवा संकल्प अभियान संचालन स्थिति की विस्तृत समीक्षा कर अभियान को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में सचिव सामान्य प्रशासन अविनाश चंपावत, सचिव आवास एवं पर्यावरण अंकित आनंद, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव रजत बंसल सहित राज्य शासन के उच्चाधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान जिला कार्यालय के एनआईसी कक्ष में कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह, कलेक्टर आकाश छिकारा, सहायक कलेक्टर यशवंत नायक सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

आदिवासी ध्रुव गोंड समाज की मासिक बैठक मे लिए गए कई निर्णय

जगदलपुर। परिक्षेत्र के उप मुख़्दार सीता राम नेताम की शासकीय सेवा से सेवा निवृत्त होने पर समाज के पदाधिकारियों ने शाल श्रीफल देकर उनके उज्जवल भविष्य कामना करते हुए उनके दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए उनके परिवार सदा सुखी जीवन व्यतीत करें और समाज में उनकी सक्रिय भागीदारी बना रहे ।

बैठक में गौरा चौक जीर्णोद्धार के साथ 9 अगस्त को आदिवासी रैली में समाज के द्वारा दी गई सहयोग राशि पर चर्चा किया और दीपावली पर्व को बड़ी धुम धाम एवं गरिमामय पुर्ण मनाने पर विचार विमर्श किया गया बैठक में उपस्थित संभागीय सचिव लिलेश्वर ध्रुव कोषा अध्यक्ष ओमप्रकाश ध्रुव, जगदलपुर परिक्षेत्र अध्यक्ष अशोक मंडावी, उप परिक्षेत्र अध्यक्ष सीता राम नेताम महिला मंडल में दयावती ध्रुव भगत राम ध्रुव, खुशी राम ध्रुव नीलकंठ ठाकुर,अजय ध्रुव मीडिया प्रभारी रामनारायण ध्रुव सहित सामाजिक पदाधिकारी उपस्थित थे।

आज खुलेगा लिंगेश्वरी माता का दरबार, 19 सितंबर से ही श्रद्धालुओं की उमड़ रही भीड़

वर्ष में केवल एक दिन खुलता है माता का दरबार, दर्शन के लिए दूर-दूर से पहुंच रहे श्रद्धालु

कोंडागांव। जिले के आलोर क्षेत्र में स्थित प्रसिद्ध लिंगेश्वरी माता मंदिर में श्रद्धालुओं की आस्था चरम पर है। माता का दरबार वर्ष में केवल एक दिन श्रद्धालुओं के लिए खोला जाता है। इस वर्ष आज 23 सितंबर को लिंगेश्वरी माता का दरबार खुलेगा, लेकिन दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का पहुंचना 19 सितंबर से ही शुरू हो गया था । मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में लगातार श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ रही है।

19 सितंबर से पहुंचने लगे श्रद्धालु- लिंगेश्वरी माता के दर्शन के लिए श्रद्धालु कई दिन पहले से ही आलोर पहुंचने लगे हैं।

19 सितंबर से ही श्रद्धालुओं की भीड़

देखी गई ।कई श्रद्धालु दूर-दराज के क्षेत्रों से पहुंचकर माता के दरबार के खुलने का इंतजार करते रहे ।श्रद्धालुओं में माता के दर्शन को लेकर विशेष उत्साह और आस्था दिखाई दे रही है।

वर्ष में केवल एक दिन खुलता है दरबार- लिंगेश्वरी माता का दरबार वर्ष में केवल एक दिन विशेष अवसर पर खोला जाता है। इसी कारण यहां दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। माता के दर्शन को लेकर स्थानीय लोगों के साथ-साथ आसपास के जिलों और अन्य क्षेत्रों से भी श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना रहती है।

प्रशासन ने किए पर्याप्त इंतजाम- श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रशासन द्वारा व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक तैयारियां की गई हैं। श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसे ध्यान में रखते हुए विभिन्न स्तरों पर इंतजाम किए गए हैं- श्रद्धालुओं की भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए आवश्यक व्यवस्था। आवागमन को सुचारु बनाए रखने पर विशेष ध्यान।श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर आवश्यक प्रबंध।पेयजल सहित मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था।भीड़ को नियंत्रित करने तथा दर्शन व्यवस्था को व्यवस्थित रखने के लिए आवश्यक तैयारी।किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन एवं संबंधित विभागों की तैयारियां।

सुरक्षा व्यवस्था पर भी नजर- श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रशासन और पुलिस द्वारा भीड़भाड़ वाले स्थानों पर निगरानी रखते हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं।

आस्था का प्रमुख केंद्र है लिंगेश्वरी माता दरबार- लिंगेश्वरी माता का दरबार क्षेत्र के श्रद्धालुओं के लिए विशेष आस्था का केंद्र है। वर्ष में केवल एक दिन दरबार खुलने के कारण यहां दर्शन का अवसर पाने के लिए श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह रहता है। 23 सितंबर को माता का दरबार खुलने के साथ ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचेंगे । प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं से व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने, निर्धारित मार्ग एवं निर्देशों का पालन करने तथा धैर्यपूर्वक दर्शन करने की अपील की गई है।

सर्व शिक्षक संघ ने सौंपा पूर्व मंत्री को ज्ञापन

बीजापुर। सर्व शिक्षक संघ के सह संचालक कैलाश रामटेके ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया है कि दिनांक 19.09.2026 को एक मिशाल कायम करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य में बीजापुर जिले के सभी शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधि एक होकर टीईटी अध्यादेश लाने हेतु पूर्व मंत्री छत्तीसगढ़ शासन महेश गागड़ा भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष जी वेंकट भाजपा बीजापुर के जिला अध्यक्ष घासीराम नाग को ज्ञापन सौंपा गया। सर्वप्रथम पूर्व मंत्री ने सभी शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधियों से परिचय प्राप्त किया एवं तत्काल ज्ञापन को संज्ञान में लेते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय को प्रेषित किया गया साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आप सभी संगठन मिलकर प्रदेश के समस्त सांसदों से प्रधानमंत्री के लिए पत्र प्रेषित कराएँ अध्यादेश लाने हेतु। इससे अध्यादेश लाने हेतु सरलता होगी। प्रदेश के समस्त शिक्षक संगठनों से अपील है किया गया है कि विभागीय टेट का मुददा छोड़ दें, अध्यादेश लाने के लिए सांसदों को ज्ञापन सौंपने का कार्यक्रम तय करें सभी संगठन एक हो जाएं। फिर किसी विभागीय टेट की आवश्यकता नहीं पड़ेगी जब अध्यादेश आएगा यह कानून बन जाएगा कि

2010 से या छत्तीसगढ़ में जब से राजपत्र लागू हुआ है तब से इसे लागू किया जाए या जिन राज्यों मे जब से राजपत्र जारी हुआ है तब से लागू किया जाए। शिक्षक एकता जिंदाबाद इस वाक्य को सभी संगठन मिलकर सार्थक बनाएं। सब एक होकर लड़ाई लड़े निश्चित ही हमें संविलियन की तरह सफलता मिलेगी। ज्ञापन मे मुख्य रूप से माँग की गई है कि पूरे देश मे शिक्षा का अधिकार वर्ष 2010 से लागु किया गया है इसीलिए इसे उसी समय से लागु करें। चूँकि कि ये पूरे देश के पच्चीस लाख शिक्षकों एवं उनके परिवार से जुड़ा हुआ मामला है। साथ ही पुरानी पेंशन, पदोन्नति वेतन विसंगति की भी माँग की गई है। ज्ञापन सौंपने वाले संगठनों मे प्रमुख पदाधिकारी छग शिक्षक संघ से मो जाकिर खान, जगबंधु माँझी, सहायक शिक्षक फेडरेशन से राजेश मिश्रा, मोहशीन खान, ओनेश्वर झाड़ी, समैया कावरे, भूपत नक्का, नागेश गुरला, लछिन्दर हेमला, दिनेश कोलमुल, छग शालेय शिक्षक संघ से प्रहलाद जैन, वसीम खान, विजय चापड़ी, योगेश वासम, महादेव चापा, संजय चितुर, महेन्द्र काशी, अरुण सिंह मनोज कावटी महिला पदाधिकारियों मे कमल रंजीता, उर्मिला लकड़ा, संगीता पुजारी, सरस्वती नुरेटी उपस्थित थे।

बीटीओए उपाध्यक्ष बनने पर वीरू सिंह गौतम को पत्रकार संघ ने दी बधाई

किरंदुल। बैलाडीला ट्रक ओनर्स एसोसिएशन किरंदुल के चुनाव में पुनः उपाध्यक्ष निर्वाचित होने पर वीरू सिंह गौतम को छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला दंतेवाड़ा इकाई की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई हैं। छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिला अध्यक्ष आज़ाद सक्सेना ने बधाई संदेश में कहा कि कर्मठ, जुझारू और निडर पत्रकार साथी वीरू सिंह गौतम का बीटीओए उपाध्यक्ष बनना

पत्रकार समाज के लिए गर्व की बात है। यह उनकी मेहनत और जनसेवा का परिणाम है। उन्होंने कहा, आपकी इस उपलब्धि से पत्रकार समाज गौरवान्वित है। हम आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। माँ दंतेश्वरी का आशीर्वाद हमेशा आप पर बना रहे और आप सदैव आगे बढ़ते रहें। गौरतलब है कि वीरू सिंह गौतम पत्रकारिता के साथ-साथ ट्रक व्यवसाय से भी जुड़े हैं और क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

राजभाषा पखवाड़ा-2026 के अंतर्गत दक्षिण पूर्ण मध्य रेलवे, मुख्यालय बिलासपुर में स्वरचित हिंदी काव्य पाठ एवं गीत गायन प्रतियोगिता आयोजित

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर जोनल कार्यालय में मनाये जा रहे राजभाषा पखवाड़ा 2026 के अंतर्गत आज दिनांक 18 सितंबर, 2026 को रेलवे मुख्यालय तथा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बिलासपुर (कार्यालय) के सदस्य कार्यालयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए जोनल रेलवे सभाकक्ष में स्वरचित हिंदी काव्य पाठ एवं गीत गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । श्री बिजय कुमार, प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रतियोगिता में निर्णायकों की भूमिका का निर्वाह श्री के.के.पाठक, वरिष्ठ साहित्यकार, बिलासपुर तथा श्री महेश श्रीवास, वरिष्ठ साहित्यकार, बिलासा कला मंच, बिलासपुर ने किया । इस अवसर पर रेलवे, मुख्यालय, बिलासपुर तथा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बिलासपुर (कार्यालय) से आए प्रतिभागियों ने अपनी स्वरचित हिंदी कविताओं का पाठ किया और सुमधुर गीतों की प्रस्तुति दी ।अपने संबोधन में निर्णायक, वरिष्ठ साहित्यकार एवं गज़लकार, श्री के.के.पाठक ने सभी प्रतिभागियों की रचनाओं की सराहना करते हुए कहा कि अच्छा साहित्य समाज को प्रभावित करता है और उसे सही दिशा देने का कार्य करता है । उन्होंने कहा कि सरकारी कामकाज के साथ ही आम बोलचाल में भी हिंदी भाषा के अधिकाधिक प्रयोग से हिंदी का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। वर्तमान में भारत के हिंदीतर भाषी राज्यों में भी हिंदी भाषा तेजी से पल्लवित हो रही हैं, इसी प्रकार विदेशों में भी हिंदी भाषा को सम्मान प्राप्त हो रहा है। इस अवसर पर उन्होंने अपनी गज़ल की भी प्रस्तुति दी । दूसरे निर्णायक श्री महेश श्रीवास ने कहा कि सभी प्रतिभागियों ने अपनी उत्कृष्ट रचनाओं का पाठ किया और सभी रचनाओं से सीखने का अवसर प्राप्त हुआ । उन्होंने सभी रचनाकारों से निरंतर काव्य लेखन और प्रस्तुति का अभ्यास करने का सुझाव दिया ताकि उनकी प्रतिभा में और ज्यादा निखार आ सके । इस प्रतियोगिता में रेलवे मुख्यालय, बिलासपुर तथा नगर स्थित केंद्रीय कार्यालयों, निगमों एवं उपक्रमों के कुल 15 आधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया ।

स्वच्छता ही सेवा अभियान: विद्यार्थियों की सहभागिता से गूंजा स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बिलासपुर। रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल में स्वच्छता में सहभाग, स्वच्छ भारत, विकसित भारत थीम पर स्वच्छता ही सेवा (स्॥स्)-2026 अभियान का आयोजन 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2026 तक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत स्वच्छता के साथ-साथ जनजागरूकता एवं जनभागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में 18 सितम्बर 2026 को स्वच्छता ज्ञान यात्रा के दूसरे दिन रेलवे स्कूल क्रमांक 01 एवं 02 के सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षको ने स्वच्छता की शपथ लेकर स्वच्छ भारत के निर्माण का संदेश दिया । बिलासपुर स्टेशन के प्लेटफार्म 1 के डोम एरिया में रेलवे स्कूलों के विद्यार्थियों द्वारा प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। विद्यार्थियों ने प्रभावशाली अभिनय एवं संवादों के माध्यम से कचरे को स्रोत स्तर पर अलग-अलग डस्टबिन में पृथक करने, उचित निस्तारण एवं स्वच्छ रेलवे परिसर बनाए रखने का संदेश दिया साथ ही यात्रियों को सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट एवं फोर वे सेग्रीगेशन के महत्व से अवगत कराया गया। इसके साथ ही रेलवे स्कूलों के विद्यार्थियों के लिये स्वच्छता संबंधी विषयगत निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और अपने ज्ञान का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के माध्यम से प्रतिभागियों ने न केवल स्वच्छता के महत्व को समझा बल्कि इसे कार्यस्थलों और व्यक्तिगत जीवन में लागू करने का संकल्प भी लिया। साथ ही वर्षा जल संचयन के महत्व पर भी विद्यार्थियों को जागरूक किया गया।

पिछले माह 15 दिवसीय विशेष अभियान के तहत स्टेशनों पर पेयजल व्यवस्था की व्यापक जांच एवं निगरानी

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में पेयजल गुणवत्ता की निगरानी

- 5,172 जांचों में शत-प्रतिशत संतोषजनक परिणाम, 373 नमूनों की गुणवत्ता जांच भी रही संतोषजनक

बिलासपुर। स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल स्वस्थ रेल यात्रा का अभिन्न हिस्सा है। यात्रियों एवं रेल कर्मचारियों को गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराना भारतीय रेल की महत्त्वपूर्ण जनसेवा एवं स्वास्थ्य संबंधी जिम्मेदारी है। इसी उद्देश्य से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा स्टेशनों पर उपलब्ध पेयजल की गुणवत्ता की नियमित एवं सतत निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में पिछले माह दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के विभिन्न स्टेशनों पर पेयजल गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 15 दिवसीय विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान स्टेशनों पर उपलब्ध पेयजल व्यवस्था की व्यापक जांच एवं निगरानी की गई तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया गया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में पेयजल गुणवत्ता की निगरानी स्टेशन की श्रेणी एवं यात्री आवागमन के अनुरूप नियमित रूप से की जाती है। बड़े एवं अधिक यात्री आवागमन वाले हस्त-ड्डड्ड एवं हस्त-ड्डड्डड्ड श्रेणी के प्रमुख स्टेशनों पर स्वास्थ्य निरीक्षकों द्वारा प्रतिदिन नियमित रूप से चार पेयजल नमूनों की जांच की जाती है। वहीं, हस्त-ड्डक्क से हस्त-क्कड्ड श्रेणी के छोटे एवं अन्य स्टेशनों पर भी उपलब्ध पेयजल स्रोतों की नियमित जांच एवं निगरानी सुनिश्चित की जाती है। इस प्रकार प्रमुख स्टेशनों पर अधिक आवृत्ति के साथ निगरानी के साथ-साथ छोटे स्टेशनों पर भी पेयजल गुणवत्ता की नियमित जांच की व्यवस्था लागू है। इसके अतिरिक्त प्रमुख स्टेशनों से पेयजल के

नमूनों की गुणवत्ता की विस्तृत जांच भी समय-समय पर कराई जाती है, ताकि पेयजल व्यवस्था की समग्र गुणवत्ता की निगरानी सुनिश्चित की जा सके। पिछले माह चलाए गए 15 दिवसीय विशेष अभियान सहित नियमित निगरानी के दौरान दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में पेयजल गुणवत्ता से संबंधित कुल 5,172 जांचें की गईं। इन सभी जांचों में निर्धारित मानकों के अनुरूप शत-प्रतिशत संतोषजनक परिणाम प्राप्त हुए। इसी अवधि में पेयजल गुणवत्ता के 373 नमूनों की विस्तृत जांच भी की गई, जिनके परिणाम संतोषजनक एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप पाए गए। ये परीक्षण ह्लक्कसे मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला में कराया गया । पेयजल गुणवत्ता की निगरानी केवल जांच तक सीमित नहीं है। किसी भी संभावित समस्या की समय रहते पहचान, आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई तथा उसके बाद पुन: निगरानी के माध्यम से सुरक्षित पेयजल व्यवस्था को निरंतर बनाए रखने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा भारतीय रेल के निर्देशों के अनुरूप पेयजल स्रोतों, आपूर्ति व्यवस्था, फिल्ट्रेशन, भंडारण एवं वितरण से संबंधित व्यवस्थाओं के नियमित रखरखाव एवं निगरानी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पिछले माह चलाए गए विशेष अभियान के माध्यम से इन व्यवस्थाओं की विशेष समीक्षा की गई, जबकि नियमित निगरानी की प्रक्रिया निरंतर जारी है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का उद्देश्य यात्रियों एवं रेल कर्मचारियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराना तथा इसके लिए निर्धारित मानकों के अनुरूप प्रभावी निगरानी व्यवस्था को निरंतर सुदृढ़ करना है।

सेवा संकल्प अभियान में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश.......

- विशेष स्वास्थ्य शिविर में 257 लोगों ने कराया पंजीयन, लीवर और कैंसर की हुई जांच

बिलासपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिला प्रशासन के सहयोग से अपोलो अस्पताल द्वारा प्रार्थना सभाकक्ष में विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों के लिए आयोजित शिविर में 257 लोगों ने पंजीयन कराया। शिविर में लीवर एवं विभिन्न प्रकार के कैंसर की जांच के साथ स्वास्थ्य संबंधी परामर्श भी दिया गया।शिविर में 82 लोगों ने विशेष लीवर जांच का लाभ लिया, जबकि 72 लोगों की सर्वाइकल कैंसर जांच की गई। वहीं 68 लोगों ने ब्रेस्ट कैंसर जांच के लिए पंजीयन कराया, जिनकी अपोलो अस्पताल में नि:शुल्क जांच की जाएगी। संभागायुक्त सुनील जैन ने कहा कि अपोलो अस्पताल प्रबंधन सामाजिक गतिविधियों में निरंतर सहभागी रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को वर्ष में कम से कम एक बार अपने स्वास्थ्य की जांच अवश्य करानी चाहिए। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कहा कि संतुलित खान-पान और अच्छी दैनिक दिनचर्या अपनाकर स्वस्थ जीवन जिया जा सकता है। शिविर में संभागायुक्त सुनील जैन, कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसएसपी रजनेश सिंह, नगर निगम कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे एवं जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल सहित अन्य अधिकारियों ने भी स्वास्थ्य परीक्षण कराया। अपोलो अस्पताल के प्रबंधक अजय जाड़े ने बताया कि 29 सितंबर को वर्ल्ड हार्ट डे के अवसर पर वॉकथान आयोजित किया जाएगा।

स्वच्छता ही सेवा-बिलासपुर मंडल में चला व्यापक स्वच्छता अभियान

बिलासपुर। रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल में स्वच्छता में सहभाग, स्वच्छ भारत, विकसित भारत थीम के तहत 'स्वच्छता ही सेवा (स्॥स्)-2026'* अभियान का आयोजन 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2026 तक किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य रेलवे परिसरों में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के साथ-साथ यात्रियों, रेलकर्मियों एवं आम नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करना है। अभियान के तीसरे एवं चौथे दिन, 19 एवं 20 सितम्बर 2026 को बिलासपुर मंडल के सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों, यार्डों, रेलवे कॉलोनियों, रेलवे परिसरों तथा ट्रैक किनारे स्थित कचरा संभावित स्थलों को चिन्हित कर विशेष

स्वच्छता अभियान चलाया गया। चिन्हित स्थलों पर विशेष अभियान चलाकर जमा कचरे एवं अनावश्यक सामग्री को हटाया गया तथा संबंधित क्षेत्रों में साफ-सफाई सुनिश्चित की गई। सफाई के साथ रेलवे परिसरों का सौंदर्यीकरण-अभियान के दौरान केवल कचरा हटाने तक ही सीमित न रहते हुए साफ किए गए स्थलों के सौंदर्यीकरण पर भी विशेष ध्यान दिया गया। खाली एवं साफ हुए स्थानों को व्यवस्थित एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान किया गया, ताकि रेलवे परिसर स्वच्छ होने के साथ-साथ यात्रियों के लिए अधिक सुंदर एवं सकारात्मक वातावरण प्रदान कर सकें। प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता थीम आधारित सेल्फी पॉइंट का प्रावधान-स्वच्छता अभियान को जनभागीदारी से जोड़ने तथा यात्रियों में स्वच्छता के प्रति सकारात्मक संदेश प्रसारित करने के उद्देश्य से बिलासपुर सहित मंडल के सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर स्वच्छता थीम आधारित सेल्फी पॉइंट स्थापित किए गए हैं।

बिलासपुर मंडल द्वारा अंतरा-मंडलीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता रंग-मंच 2026 का भव्य आयोजन....

बिलासपुर। बिलासपुर मंडल के तत्वावधान में एनईआई सभागार में रंग-मंच 2026 अंतरा-मंडलीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें बिलासपुर मंडल से सुर ङ्कसंगीत एवं नृत्य की विभिन्न विधाओ के 156 प्रतिभागी शामिल हुये । इस आयोजन का उद्देश्य भारतीय लोक संगीत तथा लोकनृत्य की समृद्ध परंपराओं को प्रोत्साहन देना और नई पीढ़ी को इसके संरक्षण हेतु प्रेरित करना था। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री अंशुमान मिश्रा द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया । इसके पश्चात इस प्रतियोगिता में के सभी प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। संगीत की विभिन्न श्रेणियों में पारंपरिक लोक धुनों, नृत्य की विभिन्न विधाओं की

कलाओं, वादन, मोनो एक्ट, नाटक, रंगोली एवं ड्राइंग पेंटिंग जैसी अनेक विधाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया। प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का अद्भुत परिचय दिया, जिससे भारतीय सांस्कृतिक लोक कलाओं की विविधता और जीवंतता को दर्शाया गया। इस प्रतियोगिता के विजेताओं के चयन के लिए 05 सदस्यीय निर्णायक मंडल बनाए गए थे जिसमें श्री अरविन्द तिवारी, श्री आदित्य नामदेव, श्री प्रज्जवल बोरकर, श्री राकेश कुमार एवं श्री राज साहू शामिल थे 7 कार्यक्रम के दूसरे सत्र में मंडल कार्मिक अधिकारी श्री यू. एस. एस. राव के आतिथ्य में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता के विजेताओं को अतिथि के करकमलों से पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर सहायक कार्मिक अधिकारी श्री भास्कर गुहा सहित अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण अधिकाधिक संख्या में उपस्थित थे । अतिथियों द्वारा कार्यक्रम एवं प्रस्तुति की गई तथा विजेताओं एवं सभी प्रतिभागियों को बधाई दी गई । कार्यक्रम का संचालन श्री धीरज सोनी ने किया 7 प्रतियोगिता के विजेताओं के नाम इस प्रकार है- शास्त्रीय गायन एकल- प्रथम- सानाया वर्मा, द्वितीय अनुग्या परमार, तृतीय ङ्क संजय पंथी। समूह गीत- प्रथम- -राधिका कृति एवं समूह, द्वितीय अनुग्या परमार एवं समूह, तृतीय सुप्रिया राय एवं समूह।एकल नृत्य प्रथम-अंकिता निषाद, द्वितीय अकुंडी अंकिता सावनी, तृतीय निधि कुमारी । एकल गीत प्रथम-अयांश वर्मा, द्वितीय अमन कुमार साहू, तृतीय विष्णु प्रसाद गुप्ता। समूह नृत्य -

कलेक्टर-एसएसपी ने जनदर्शन में सुनी लोगों की समस्याएं

- स्कूल भवन, लंबित भुगतान, निराश्रित पेंशन से जुड़ी समस्याएं लेकर पहुंचे लोग
- संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने दिए निर्देश

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं एसएसपी रजनेश सिंह ने आज जिला कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में लोगों की समस्याएं सुनी। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने उनसे मिलकर निजी एवं सामुदायिक शिकायत संबंधी आवेदन दिया। उन्होंने अधिकांश मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान नगर निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे एवं जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल ने भी लोगों की समस्याएं सुनी। जनदर्शन में कोटा विकासखण्ड के ग्राम पंचायत बछालीखुर्द के सरपंच द्वारा प्राथमिक शाला के लिए भवन एवं मोबाइल टावर लगवाने की मांग की गई। उन्होंने बताया कि डबरीपारा मोहल्ले के प्राथमिक शाला का भवन जर्जर हो गया है। जिससे वर्तमान में बच्चों को एक किलोमीटर दूर स्थित कृषि भवन में पढ़ने जाना पड़ रहा है जिससे उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। साथ ही उन्होंने बताया कि मोबाईल नेटवर्क न मिलने के कारण शासकीय कार्यों और वीबी-जीरामजी अंतर्गत मजदूरों की ऑनलाइन हाजिरी में परेशानी हो रही है। लाखासार आवास मोहल्ला के रहवासियों ने बढ़ती आबादी के कारण 25 केवी के पुराने ट्रांसफार्मर के बार-बार ओवरलोड होकर बंद होने की समस्या बताई है और उसकी क्षमता बढ़ाकर 63 केवी का नया ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की है ताकि बच्चों की पढ़ाई और आम जनजीवन प्रभावित न हो। जिले के तखतपुर विकासखंड के धजाराम पटेल ने ग्राम पंचायतों में विद्युतीकरण कार्य के लंबित राशि के भुगतान की मांग की गई। पचपेड़ी निवासी श्यामलाल ने कलेक्टर से मुलाकात कर बारिश के दौरान क्षतिग्रस्त हुए घर की मरम्मत के लिए सहायता राशि दिलाने कहा। उन्होंने बताया कि वे आर्थिक रूप से कमजोर है।

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय रतनपुर में 238 साइकिल वितरण एवं राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों एवं प्रतिभावान छात्राओं का सम्मान समारोह संपन्न

बिलासपुर। रतनपुर स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय रतनपुर में छात्राओं को साइकिल वितरण एवं विद्यालय के राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के सम्मान एवं प्रतिभावान छात्राओं का कार्यक्रम गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय मोहित जायसवाल एवं माननीय सुभाष अग्रवाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष माननीय लवकुश कश्यप ने की एवं विशिष्ट अतिथि के रूप मे दुर्गा कश्यप, सुनील जायसवाल, शीतल जायसवाल रोहिणी बैशवाड़े,घनश्याम रात्रे, ज्वाला कौशिक, नगर पालिका परिषद के समस्त पार्षद एवं एल्डर मेन एवं रियाज अहमद खोखर विधायक प्रतिनिधि रतनपुर एवम् शाला के विधायक प्रतिनिधि पुष्कांत कश्यप एवं विद्यालय परिवार पूर्व माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शाला तथा कार्यालय के समस्त स्टॉफ़शाला प्रबंधन समिति के सभी सदस्य, समस्त पार्षद एवं एल्डरमैन, अभिभावक, गणमान्य नागरिक, सम्माननीय पत्रकार एवं समस्त छात्राएँ उपास्थि रहे । संस्था के प्राचार्य शरण जीत बग्गा के मार्गदर्शन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ माँ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ के पश्चात अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण से स्वागत किया गया। इसी कड़ी मे विद्यालय की छात्राओं को साइकिल का वितरण किया जिसमे साइकिल प्राप्त कर छात्राओं के चेहरे पर खुशी एवं उत्साह देखने को मिला। अतिथियों ने छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि साइकिल से उन्हें विद्यालय आने-जाने में सुविधा मिलेगी तथा शिक्षा के प्रति उनकी नियमितता को प्रोत्साहन मिलेगा। शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रविन्द्र दुबे ने शाला का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया द्य संस्था के प्राचार्य शरण जीत बग्गा ने शाला की समस्याओं को मंच पर

उपस्थित अतिथियों को शिक्षक की व्यवस्था और भावना की कमी को मांगपत्र के माध्यम से अवगत कराए द्य राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों का सम्मान- कार्यक्रम के दौरान स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय रतनपुर के राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में विद्यालय एवं क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों को स्मृति-चिह्न एवं प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने खिलाड़ियों की खेल प्रतिभा, मेहनत एवं उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कुश्ती एवं टेबल टेंनिस सहित विभिन्न खेलों में राष्ट्रीय स्तर तक अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित कर अतिथियों ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता को विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। विद्यालय के खिलाड़ियों का राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचना पूरे विद्यालय परिवार के लिए गौरव का विषय है। मुख्य अतिथि माननीय मोहित जायसवाल ने कहा कि शिक्षा के साथ खेलों में भी विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के अवसर मिलना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आज की बेटियां और विद्यार्थी पढ़ाई के साथ-साथ खेल के क्षेत्र में भी नई पहचान बना रहे हैं। उन्होंने सम्मानित खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धियां अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्होंने छात्राओं से नियमित रूप से विद्यालय आने और मन लगाकर पढ़ाई करने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि माननीय सुभाष अग्रवाल ने कहा कि किसी भी विद्यार्थी की सफलता के पीछे उसकी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास महत्वपूर्ण होता है।

गणेश शिवजी और पार्वती के पुत्र हैं। उनका वाहन मूषक है। गणों के स्वामी होने के कारण उनका एक नाम गणपति भी है। ज्योतिष में इनको केतु का देवता माना जाता है,और जो भी संसार के साधन हैं,उनके स्वामी श्री गणेशजी हैं। हाथी जैसा सिर होने के कारण उन्हें गजानन भी कहते हैं। हिन्दू शास्त्रों के अनुसार किसी भी कार्य के पहले गणेशजी पूजनीय है। इसलिए इन्हें आदिपूज्य भी कहते है। आइए जानते हैं बड़े ही मनमोहक से दिखने वाले गणेश जी के भव्य और दिव्य स्वरूप के विषय में

श्री गणेश एक रूप अनेक

गणेश शब्द की व्युत्पत्ति हुई है गणानां जीवजातानां य: ईश: स्वामी स: गणेश: से। अर्थात,जो समस्त जीव जाति के ईश-स्वामी हैं वह गणेश हैं। इनकी पूजा से सभी विघ्न नष्ट होते हैं। लेकिन अन्य देवताओं की तरह गणेश जी के भी कई रूप हैं। गणेश पुराण के क्रीड़ा खंड में युग-भेद से गणेश जी के चार रूपों की व्याख्या करके उनके चार भिन्न वाहन बताए गए हैं।

सतयुग में गणेश जी का वाहन सिंह है,वे दस भुजा वाले हैं और उनका नाम विनायक है। त्रेता युग में वाहन मोर है,छ: भुजाएं हैं और नाम मयूरेश्वर है। द्वापर में वाहन चूहा (मूषक) है,भुजाएं चार हैं और नाम गजानन है। कलयुग में दो भुजाएं हैं वाहन घोड़ा है और नाम धूम्रकेतु है।

इन चारों रूपों की उपासना विधि व लीला चरित्र का विवरण गणेश पुराण में प्राप्त होता है। वर्तमान में गणेश जी का सर्वप्रसिद्ध वाहन मूषक (चूहा)माना जाता है। विभिन्न मंत्रों के ध्यान में इनके मूषक वाहन का ही संकेत पाया जाता है।

विशिष्ट वस्तुओं के पूजन भेद से गणेश जी के अनेक रूप प्रसिद्ध हैं जैसे हरिद्रा गणेश, दूर्वा गणेश, शमी गणेश, गोमेद गणेश आदि। कामना भेद से भी इनके भिन्न रूपों की उपासना की जाती है जैसे संतान प्राप्ति हेतु संतान गणपति,विद्या प्राप्ति हेतु विद्या गणपति आदि। सामान्य उपासक दैनिक उपासना में गणेश जी के प्रसिद्ध द्वादश नाम स्तोत्र, संकट नाशक स्तोत्र, गणपति अथर्वशीर्ष, गणेश कवच, शतनामस्तोत्र आदि का सुविधानुसार पाठ करके इनका आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं। विशिष्ट उपासना के अंतर्गत गणपति अथर्वशीर्ष से इनका अभिषेक किया जाता है। गणेश पुराण एवं रुद्रयामल तंत्र में वर्णित सहस्र नामस्तोत्र की नामावली के द्वारा दूर्वा से इनका अर्चन किया जाता है। गणपति योग भी वैदिक पद्धति के द्वारा संपन्न कराया जाता है।

अलग-अलग होती है उपासना

भगवान गणेश की उपासना अनेक प्रकार से होती है। गणेशमूर्ति के अलग-अलग प्रकार की अर्चना का विधान भी अलग-अलग होता है। दो से अठारह भुजा एवं एकमुखी से दशमुखी मूर्तियों का पूजन होता है और इनसे संबंधित मंत्र,कवच,यंत्र,स्त्रोत आदि का विधान तंत्र शास्त्र के मान्य ग्रंथों,मंत्र महार्णव,मंत्रमहोदधि,शारदा तिलक,तंत्र सार आदि में अंतर पाया जाता है। गणपति पूजन में मुख्यत: दूर्वा,शमी के पत्ते और मोदक (लड्डू) अर्पित किए जाते हैं।

भगवान गणेशजी ही प्रथम पूज्य क्यों?

एक बार कार्तिकेय व गणेशजी में होड़ लगी कि सबसे बुद्धिमान कौन? तब भगवान भोलेनाथ जी ने कहा जो पृथ्वी के सात चक्कर लगाकर सबसे पहले लौट कर आएगा वह बुद्धिमान व प्रथम पूजनीय होगा। गणेशजी भारी भरकम थे। वाहन भी चूहा व कार्तिकेय उत्तम वजन के थे और उनका वाहन मोर। स्वामी कार्तिकेय चल पड़े। गणेशजी सोचने लगे। गणेशजी ने सोचा माता-पिता ही जन्मदाता है तो सबसे महान वही हुए। उन्हीं के सात चक्कर लगा लिए और खड़े हो गए। कार्तिकेय भी आ पहुंचे। जब निर्णय की बारी आई तो भगवान आशुतोषजी ने कहा कि गणेश बुद्धिमान व श्रेष्ठ हैं, क्योंकि माता-पिता ही समस्त तीर्थों से बड़े होते हैं। तभी से भगवान गणेशजी को सब देवताओं से पहले पूजा जाता है एवं हर मांगलिक कार्य में श्रीगणेश जी का ही पूजन स्मरण व स्थापना की जाती है। इससे हमें सीख मिलती है कि जो अपने माता-पिता की सेवा करता है, उन्हें सब तीर्थों का फल मिल जाता है। फिर वह तीर्थयात्रा करें या ना करें।

कैसे करें अनंत चतुर्दशी का व्रत...

भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को अनंत चतुर्दशी का व्रत किया जाता है। इस दिन अनंत के रूप में हरि की पूजा होती है। पुरुष दाएं तथा स्त्रियां बाएं हाथ में अनंत धारण करती हैं। अनंत राखी के समान रूई या रेशम के कुंकू रंग में रंगे धागे होते हैं और उनमें चौदह गांठे होती हैं। इन्ही धागों से अनंत का निर्माण होता है। यह व्यक्तिगत पूजा है, इसका कोई सामाजिक धार्मिक उत्सव नहीं होता। अग्नि पुराण में इसका विवरण है। व्रत करने वाले को धान के एक प्रसर आटे से रोटियां या पूड़ी बनानी होती हैं, जिनकी आधी वह ब्राह्मण को दे देता है और शेष स्वयं प्रयोग में लाता है।

इस दिन व्रती को चाहिए कि प्रात:काल स्नानादि नित्यकर्मों से निवृत्त होकर कलश की स्थापना करें। कलश पर अष्टदल कमल के समान बने बर्तन में कुश से निर्मित अनंत की स्थापना की जाती है। इसके आगे कुंकूम, केसर या हल्दी से रंग कर बनाया हुआ कच्चे डोरे का चौदह गांठों वाला अनंत भी रखा जाता है।

व्रत की महिमा और मंत्र

यूं तो यह व्रत नदी-तट पर किया जाना चाहिए और हरि की लोककथाएं सुननी चाहिए। लेकिन संभव ना होने पर घर में ही स्थापित मंदिर के सामने हरि से इस प्रकार की प्रार्थना की जाती है- हे वासुदेव, इस अनंत संसार रूपी महासमुद्र में डूबे हुए लोगों की रक्षा करो तथा उन्हें अनंत के रूप का ध्यान करने में संलग्न करो, अनंत रूप वाले प्रभु तुम्हें नमस्कार है। इस मंत्र से हरि की पूजा करके तथा अपने हाथ के ऊपरी भाग में या गले में धागा बांध कर या लटका कर (जिस पर मंत्र पढ़ा गया हो) व्रती अनंत व्रत को पूर्ण करता है। यदि हरि अनंत हैं तो 14 गांठें हरि द्वारा उत्पन्न 14 लोकों की प्रतीक हैं।

अनंत चतुर्दशी पर कृष्ण द्वारा युधिष्ठिर से कही गई कौण्डिन्य एवं उसकी स्त्री शीला की गाथा भी सुनाई जाती है। कृष्ण का कथन है कि अनंत उनके रूपों का एक रूप है और वे काल हैं जिसे अनंत कहा जाता है। अनंत व्रत चंदन, धूप, पुष्प, नैवेद्य के उपचारों के साथ किया जाता है। इस व्रत के विषय में कहा जाता है कि यह व्रत 14 वर्षों तक किया जाए, तो व्रती विष्णु लोक की प्राप्ति कर सकता है।

इस दिन भगवान विष्णु की कथा होती है। इसमें उदय तिथि ली जाती है। पूर्णिमा का सहयोग होने से इसका बल बढ़ जाता है। यदि मध्याह्न तक चतुर्दशी हो तो ज्यादा बेहतर है। जैसा इस व्रत के नाम से प्रतीत होता है कि यह दिन उस अंत न होने वाले सृष्टि के कर्ता ब्रह्मा की भक्ति का दिन है। इस व्रत की पूजा दोपहर में की जाती है।

जानिए क्या है गणेश पुराण में

गणेश पुराण महत्वपूर्ण ग्रंथ है। इसके पठन-पाठन से सब कार्य सफल हो जाते हैं। गणेश पुराण में पांच खंड पाए जाते हैं। संक्षेप में जानते हैं गणेश पुराण के पांचों खंडों के बारे में......

पहला खंड-आरंभ खंड

इस खंड में ऐसी कथाएं बताई गई है जिससे हमेशा सब जगह मंगल ही होगा। इसमें सबसे पहली कथा के माध्यम से बताया है कि किस प्रकार प्रजा की सृष्टि हुई और सर्वश्रेष्ठ देव भगवान् गणेश का आविर्भाव किस प्रकार हुआ। आगे इसमें शिव के अनेक रूपों का वर्णन किया गया है। साथ ही यह भी बताया गया है कि कैसे शिव सृष्टि की उत्पत्ति,संहार और पालन करते हैं।

दूसरा खंड- परिचय खंड

दूसरा खंड परिचय खंड है जिसमें गणेश जी के जन्म के कथाओं का परिचय दिया गया है। इसमें अलग-अलग पुराणों के अनुसार कथा कही गई है। जैसे पद्म व लिंग पुराण के अनुसार। और अंत में गणेश की उत्पत्ति की कथा विस्तार बताई गई है।

तीसरा खंड- माता पार्वती खंड

तीसरा खंड माता पार्वती खंड है। इसमें पार्वती के पर्वतराज हिमालय के घर जन्म की कथा है और शिव से विवाह की कथा। फिर तारकासुर के अत्याचार से लेकर कार्तिकेय के जन्म की कथा भी इसमें वर्णन है। इस खंड में वशिष्ठ जी द्वारा सुनाई अरण्यराज की कथा भी है।

चौथा खंड- युद्ध खंड

यह युद्ध खंड नामक खंड है। इसके आरंभ में मत्सर नामक असुर के जन्म की कथा है जिसने दैत्य गुरु शुक्राचार्य से शिव पंचाक्षरी मंत्र की दीक्षा ली। आगे तारकासुर की कथा है। उसने ब्रह्मा की आराधना कर त्रैलोक्य का स्वामित्व प्राप्त किया। साथ ही इसमें महोदर व महासुर के आपसी युद्ध की कथा है। इसमें लोभासुर व गजानन की कथा भी है जिसमें लोभासुर ने गजानन के मूल महत्त्व को समझा और उनके चरणों की वंदना करने लगा।

पांचवां खंड- महादेव पुण्य कथा खंड

पांचवा खंड महादेव पुण्य कथा खंड है। इसमें सूत जी ने ऋषियों को कहा,आप कृपा करके गणेश,पार्वती के युगों का परिचय दीजिए। आगे इस खंड में सत्तयुग,त्रेतायुग व द्वापर युग के बारे में बताया गया है। जन्मासुर, तारकासुर की कथा के साथ इसका अंत हुआ है। इस तरह गणेश पुराण के पांच खंडों में मंगलकारी श्री गणेश के जन्म से लेकर उनकी लीलाओं और उनकी पूजा से मिलने वाले यश के बारे का संपूर्ण वर्णन किया गया है। इसके अलावा उनसे जुड़ी बहुत सी अन्य बातों को भी इसमें शामिल किया गया है।

अनंत चतुर्दशी विष्णु पूजन का दिन

ओम विश्वं विष्णुर्वषट्कारो भूतभव्यभवत्प्रभु।
भूतकृद भूवभृद भावो भूतात्मा भूतभावन।।
पूतात्मा परमात्मा च मुक्तानां परमा गति।
अव्यय पुरुष साक्षी क्षेत्रज्ञोडक्षर एव च।।

ऐसे अनंत देव विष्णु भगवान जो कि अनेक नाम से पूजे जाते हैं, ऐसे ईश्वर को स्मरण करने या जाप करने का यूँ तो कोई एकमात्र निर्धारित ढंग नहीं, फिर भी किसी भी कार्य को इस ढंग से किया जाए जिससे वह सहज रूप से संपन्न हो जाए। इस कार्य में जितनी ज्यादा एकाग्रता होगी उतना ही अधिक लाभ होगा।

अनंत चतुर्दशी के दिन भगवान विष्णु का पूजन करें। सर्वप्रथम विष्णु का आवहन् करें। पूजन में सर्वप्रथम आसन अर्पित करें। तत्पश्चात् पैर धोने के लिए जल अर्पित करें। अर्घ्य अर्पित करें, आचमन करें, स्नान हेतु जल अर्पित करें। तिलक हेतु (चंदन) द्रव्य अर्पित करें, धूप-दीप दिखाएँ। प्रसाद करें। फिर आचमन हेतु जल अर्पित करें। तत्पश्चात् नमस्कार करें।

चतुर्मूर्ति चतुर्वाहुश्चतुर्ण्यहश्चतुर्गति
चतुरात्मा चतुर्भावश्चतुर्वेदविदेकपात।।
विश्व मूर्तिर्महामूर्तिर्दीप्त मूर्तिरमूर्तिमाव
अनेक मूर्तिरण्यव्यक्त शतमूति शतानन।।

ऐसे अनेक नामों से भगवान विष्णु को नमस्कार करें। विघ्न हरने वाले देवता विष्णु अपने भक्तों से जल्दी प्रसन्न हो जाते हैं एवं मनोवांछित फल दे देते हैं।

अनंत चतुर्दशी के दिन भगवान अनंत की पूजा-अर्चना अवश्य करना चाहिए। इस दिन विष्णु सहस्त्रनाम स्तोत्रम् का पाठ करने से अनन्य फल की प्राप्ति होती है एवं भगवान विष्णु की प्रसन्नता प्राप्त होती है। भगवान की प्रार्थना अर्जुन बनकर करें अर्थात् मानसिकता और विश्?वास लगाकर (पूर्ण रूप) उनमें लगाकर प्रार्थना करने से उनका सानिध्य प्राप्त होता है। उनका आशीर्वाद मिलता है। यदि सेवा करना है तो हनुमान जी जैसी करें। ह्दय में पूर्ण छवि बनी रहे कृपा प्रसाद अवश्य प्राप्त होगा। अर्जुन ने भगवान से कहा कि मैं आपके शरण में आ गया हूँ, आप मुझे आज्ञा दे मुझे क्या करना है?

भगवान ने शरणागत आए हुए अर्जुन का पूरा जीवन सुखमय कर दिया एवं अपना सानिध्य दिया। भगवान का कहना है कि जीव तू सारे धर्म को त्याग कर मेरी शरण को प्राप्त हो! मैं तुम्हें पापों से मुक्त करूँगा, तुम चिंता व्याप्त न हो। भगवान से प्रार्थना इस प्रकार करें जैसे अर्जुन ने (गीता में) की थी। अनंत चतुर्दशी में इसका बहुत बड़ा महत्व है।

पवित्राणां पवित्रं यो मङ्गलानां च मङ्गलम् ।
दैवतं देवतानां च भूतानां योऽव्यय: पिता ॥
यत: सर्वाणि भुतानि भवन्त्यादियुगागमे ।
यस्मिश्च प्रलयं यान्ति पुनरेव युगक्षये ॥
तस्य लोकप्रधानस्य जगन्नाथस्य भूपते ।
विष्णोर्नामसहस्त्रं मे श्रृणु पापभयापहम् ॥
यानि नामानि गौणानि विख्यातानि महात्मन: ।
ऋषिभि: परिगीतानि तानि वक्ष्यामि भूतये ॥
विश्वं विष्णुर्वषट् ?कारो भूतभव्यभवत्प्रभु: ।
भूतकृद्भूतभृद्भावो भूतात्मा भूतभावन: ॥
पूतात्मा परमात्मा च मुक्तानां परमा गति: ।
अव्यय: पुरुष: साक्षी क्षेत्रज्ञोऽक्षर एव च ॥

इस प्रकार प्रभु नारायण की प्रार्थना करने से वह अवश्य प्रसन्न होकर आपको सुख, संपदा, धन-धान्य, यश-वैभव, लक्ष्मी, पुत्र आदि सारा सुख दे देते हैं।

डॉ.संजय तिवारी को डॉक्टरेट की उपाधि से किया गया अलंकृत

राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र, नई दिल्ली में डॉक्टरेट डिग्री प्रदान कर किया गया सम्मान

बधाई देने वालों का लगा तांता...

दुर्ग :- एस. आर. हॉस्पिटल एंड कॉलेज,चिखली, दुर्ग के चेयरमेन एवं दैनिक लोकतंत्र प्रहरी मीडिया हाउस के प्रधान संपादक डॉ.संजय तिवारी को डॉक्टरेट की उपाधि से अलंकृत किया गया। राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र,नई दिल्ली में आयोजित एक गरिमामय कार्यक्रम के दौरान उन्हें डाक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई ।

डॉ. संजय तिवारी को डॉक्टरेट की उपाधि भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त प्लानिंग कमीशन ऑफ इंडिया के एस.एस.ए.काउंसिल के द्वारा प्रदान किया गया। सम्मान समारोह में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य नागरिक शिक्षाविद् सामाजिक एवं मीडिया क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि व अन्य अतिथिगण उपस्थित रहे।

डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त होने पर डॉ.संजय तिवारी ने कहा कि निरंतर अध्ययन करने व सीखने की ललक ही सफलता का मूलमंत्र है । उन्होंने इस उपलब्धि को अपने माता पिता गुरु व वरिष्ठों व मित्रों व शुभचिन्तको का आशीर्वाद व स्नेह का प्रतिफल बताया ।

डॉ. संजय तिवारी लंबे समय से चिकित्सा व चिकित्सा शिक्षा एवं मीडिया के क्षेत्र में सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं।एस.आर. हॉस्पिटल एंड कॉलेज, चिखली के चेयरमेन के पद में वे चिकित्सा व चिकित्सा शिक्षा से जुड़े कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वहीं दैनिक लोकतंत्र प्रहरी मीडिया हाउस के प्रधान संपादक के रूप में वे पत्रकारिता एवं जनसरोकार से जुड़े विषयों को प्रमुखता से उठाने का कार्य कर रहे हैं।

डॉ. संजय तिवारी को डॉक्टरेट की उपाधि मिलने पर उनके मित्रगणों, शुभचिंतकों, डॉक्टरो , पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, शिक्षाविदों जनप्रतिनिधीओं एवं विभिन्न संस्थाओं से जुड़े वरिष्ठ जनों ने उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दीं। सोशल मीडिया एवं व्यक्तिगत रूप से भी बधाई देने वालों का सिलसिला जारी है

बधाई देने वालों ने कहा कि डॉ. संजय तिवारी की यह उपलब्धि उनके निरंतर अध्ययन, निरन्तर कर्म एवं समाजिक गतिविधियों के प्रति समर्पण का सम्मान है। सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई कि वे चिकित्सा व चिकित्सा शिक्षा और पत्रकारिता के क्षेत्र में इसी तरह सक्रिय रहकर समाज के लिए अपना योगदान देते रहेंगे। इस अवसर पर डॉ. संजय तिवारी ने सभी शुभचिंतकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्राप्त सम्मान उन्हें भविष्य में और अधिक जिम्मेदारी एवं समर्पण के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा।

स्मार्ट मीटर बना उपभोक्ताओं के लिए सर दर्द

निदान हेतु कांग्रेसियों ने पीड़ित से भरवाय फॉर्म

बलरामपुर। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बलरामपुर के तत्वाधान में ग्राम पंचायत भनौरा, ओबरी, जवाहर नगर, चिल्विश्रमपुर, पिंडरा, जतरो, बरदर, शुर्रा, संतोषनगर, रामनगरकला, कृष्णानगर, सागरपुर, पुटसुरा, में प्रदेश कांग्रेस कमेटी छत्तीसगढ़ के निर्देश पर बढ़ते बिजली बिल के दरों में वृद्धि को कम करने व स्मार्ट मीटर से जो बढ़ा हुआ बिजली बिल आ रहा है,उसके खिलाफगांव गांव जाके स्मार्ट मीटर को बदलने के लिए आवेदन फॉर्म भरवाया गया, उपभोक्ताओं के द्वारा बताया गया कि जब से स्मार्ट मीटर लगा है तब से बिजली का बिल तीन गुना से भी ज्यादा आ रहा हैं,और जो स्मार्ट मीटर लगाने आ रहे है उनलोग भी एक मीटर के पीछे 200से 400 का मांग करते है,इस गाँव चलो कार्यक्रम में मुख्य रूप से ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बलरामपुर के अध्यक्ष व जनपद सदस्य समीर सिंह देव,जिला कोषाध्यक्ष सुनील गुप्ता, जिला महामंत्री संजीत गुप्ता (मुन्ना बरदर), सेवादल से प्रेसागर सिंह, जनपद सदस्य सी बी सिंह, सचिव सुनील तिर्की, संजय पाल, संजय हालदार, संदीप सिंह, विजय, नारद, आशिम मंडल, राहुल विश्वास, रूपेश गुप्ता, व अनेकों कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में गांव गांव जा कर फार्म भरवाया गया।

16वें वित्त आयोग की राशि के लिए आईसीआई सीआई बैंक में खाते खोलने की तैयारी

जनपद पंचायत पाटन सरपंच एवं सचिव ने रखीं चार प्रमुख शर्तें

पाटन। जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत 16वें वित्त आयोग मद के तहत खाता संचालन के संबंध में आईसीआईसीआई बैंक शाखा में खाता खोलने की प्रक्रिया को लेकर जनपद पंचायत की ओर से आवश्यक शर्तें रखी गई हैं। इस संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत पाटन को पत्र जारी कर बैंक शाखा उपलब्ध नहीं होने के कारण वैकल्पिक व्यवस्था एवं सुविधाएं सुनिश्चित करने की बात कही गई है। पत्र में कहा गया है कि आईसीआईसीआई बैंक शाखा पाटन में उपलब्ध नहीं होने के कारण निम्न शर्तों के अधीन खाता खोलने की सहमति दी गई है।जनपद पंचायत सरपंच एवं सचिव संघ ने रखीं ये प्रमुख शर्तें– 1. एक माह के भीतर जनपद पंचायत पाटन में पासबुक प्रिंटिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। 2. 22 सितंबर 2026 से पाटन में कियोस्क ग्राहक सेवा केंद्र के लिए दो कर्मचारियों की नियुक्ति की जाए। साथ ही सभी ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव एवं ऑपरेटरों को ऑनलाइन भुगतान संबंधी आवश्यक प्रशिक्षण दिया जाना सुनिश्चित किया जाए।3. पाटन में तत्काल बैंक शाखा खोले जाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि ग्राम पंचायतों एवं जनपद पंचायत से जुड़े वित्तीय कार्यों में सुविधा हो सके।4. खाताधारक सरपंच एवं सचिवों का बीमा कराया जाए, ताकि किसी भी दुर्घटना की स्थिति में उनके परिवार को आर्थिक सहायता प्राप्त हो सके।

मेरे सपनों का भारत,चित्रकला अभियान में बच्चों ने दिखाई रचनात्मकता, चित्रों में दिखा विकसित भारत का सपना

नगर निगम क्षेत्र के स्कूलों में चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता, छात्र-छात्राओं ने स्वच्छ, सशक्त और विकसित भारत की कल्पना को रंगों में उतारा

दुर्ग। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक सेवाकाल के अवसर पर आयोजित सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र के विभिन्न शासकीय विद्यालयों में मेरे सपनों का भारत' विषय पर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।इस क्रम में शासकीय तिलक कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, आत्मानंद शासकीय बोरसी स्कूल एवं आदर्श कन्या शाला शासकीय विद्यालय सहित निगम क्षेत्र के विद्यालयों में आयोजित कार्यक्रमों में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देश एवं नगर निगम कमिश्नर लीना कोसम के मार्गदर्शन में शिक्षा विभाग और नगर निगम के समन्वय से आयोजित प्रतियोगिता में बच्चों ने अपनी कल्पनाओं और रचनात्मक सोच को चित्रों एवं भाषणों के माध्यम से प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों की चित्रकारी में विकसित भारत की परिकल्पना की सुंदर झलक देखने को मिली। बच्चों ने अपने चित्रों और भाषणों के माध्यम से स्वच्छ भारत, पर्यावरण संरक्षण, विज्ञान एवं तकनीक, वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत, देश की एकता, सामाजिक सौहार्द, भारतीय संस्कृति और विकसित राष्ट्र जैसे विषयों को प्रमुखता से प्रस्तुत किया। बच्चों की रचनात्मकता ने यह संदेश दिया कि वे अपने सपनों के भारत को स्वच्छ, आत्मनिर्भर, आधुनिक और सशक्त राष्ट्र के रूप में देखना चाहते हैं। इसी क्रम में शासकीय तिलक कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं द्वारा नमो सेवा अनकही कहानियां' संगीतमय नाटक एवं नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी गई। छात्राओं ने अपनी प्रभावी प्रस्तुति के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया और लोगों को स्वच्छ एवं सुंदर शहर बनाने के लिए प्रेरित किया। बच्चों ने कहा,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीवन देश को समर्पित-प्रतियोगिता में शामिल विद्यार्थियों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीवन देश की जनता की सेवा और राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित रहा है। विद्यार्थियों ने भारत के विकास में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के योगदान पर अपने विचार व्यक्त किए।

नगरीय निकाय कर्मचारियों की 15 सूत्रीय मांगों को लेकर महासंघ ने शासन को सौंपा मांग पत्र

1 अक्टूबर को रायपुर तुता में प्रस्तावित धरना प्रदर्शन में प्रदेशभर के नगरीय निकाय अधिकारी-कर्मचारी होंगे शामिल

दुर्ग। भारतीय मजदूर संघ छत्तीसगढ़ प्रदेश के आह्वान पर अपने अनुषांगिक संगठनों की विभिन्न मांगों को लेकर 1 अक्टूबर को रायपुर के तुता में आयोजित होने वाले एक दिवसीय धरना प्रदर्शन में प्रदेश के नगरीय निकायों के अधिकारी-कर्मचारी भी शामिल होंगे। इस संबंध में स्वायत्तशासी कर्मचारी महासंघ छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल ने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के सचिव एवं संचालक से अटल नगर नवा रायपुर स्थित महानदी भवन एवं इंद्रावती भवन में भेंट कर 15 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा तथा धरना प्रदर्शन में शामिल होने की सूचना दी। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष शरद दुबे एवं महामंत्री अनिल सिंह ने बताया कि भारतीय मजदूर संघ द्वारा आयोजित इस धरना प्रदर्शन में प्रदेश के नगरीय निकायों में कार्यरत अधिकारी-कर्मचारी, संविदा एवं प्लेसमेंट कर्मी सहित अन्य कर्मचारी 15 सूत्रीय मांगों को लेकर शामिल होंगे। महासंघ द्वारा नगरीय निकायों में कार्यरत अधिकारी-कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं एवं लंबित मांगों के निराकरण को लेकर लगातार विभागीय मंत्री अरुण साव, सचिव एवं संचालक से मुलाकात कर मांग पत्र के माध्यम से समस्याओं से अवगत कराया जाता रहा है। उन्होंने बताया कि मांग पत्र के विभिन्न बिंदुओं पर विभागीय स्तर पर चर्चा होने के बावजूद आज दिनांक तक इनके निराकरण की दिशा में ठोस पहल नहीं होने के कारण कर्मचारियों में रोष है। महासंघ ने अब अपनी मांगों के निराकरण के लिए लोकतांत्रिक तरीके से धरना प्रदर्शन के माध्यम से शासन का ध्यान आकर्षित करने का निर्णय लिया है। महासंघ के पदाधिकारियों सुरेश तिवारी, संजय मिश्रा, अनिल बाजपेयी, विष्णु चंद्राकर, अमरनाथ दुबे, रामवृक्ष यादव, गोपाल सिन्हा, अरुण मिश्रा, रीता चतुर्वेदी, कृष्णा देशमुख, अमित चंद्राकर, विवेक रंगनाथ, संतोष सोनी, शशि यादव, ईश्वर वर्मा, राम अवतार साहू, नवीन साहू एवं विजेंद्र परिहार सहित अन्य पदाधिकारियों ने प्रदेश के समस्त नगर निगम, नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायतों के अधिकारी-कर्मचारियों से अपील की है कि वे 1 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे रायपुर तुता में आयोजित एक दिवसीय धरना प्रदर्शन में शामिल होकर अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद करें। यह जानकारी स्वायत्तशासी कर्मचारी महासंघ छत्तीसगढ़ प्रदेश के महामंत्री अनिल सिंह ने दी।

निर्मल जैन बने धमधा नगर कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व मंत्री रविंद्र चौबे ने आवास पहुंचकर दी बधाई

कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जताया उत्साह, संगठन को मजबूत करने की उम्मीद

धमधा। धमधा नगर कांग्रेस संगठन में निर्मल जैन को नगर अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपे जाने के बाद कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। नियुक्ति के बाद पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

बताया गया कि रविंद्र चौबे की सहमति एवं मार्गदर्शन से दुर्ग जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर द्वारा निर्मल जैन को धमधा नगर कांग्रेस अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिला कांग्रेस प्रभारी महामंत्री राजीव गुप्ता ने भी उनकी नियुक्ति का समर्थन करते हुए शुभकामनाएं दीं।

पूर्व मंत्री रविंद्र चौबे ने घर पहुंचकर दी बधाई– नवनियुक्त नगर कांग्रेस अध्यक्ष निर्मल जैन को बधाई देने के लिए पूर्व मंत्री रविंद्र चौबे उनके आवास पहुंचे। इस दौरान उन्होंने निर्मल जैन को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

रविंद्र चौबे ने कहा कि संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत कांग्रेस संगठन को मजबूत करने का कार्य किया जा रहा है और नए कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि नवनियुक्त पदाधिकारी अपनी कार्यशैली के माध्यम से संगठन को मजबूती देंगे और कार्यकर्ताओं को साथ लेकर आगे बढ़ेंगे।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता जनहित के मुद्दों को जनता के बीच मजबूती से उठाने और कांग्रेस की रीति-नीति के अनुरूप जनसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। चौबे ने निर्मल जैन के सफल कार्यकाल की कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

कार्यकर्ताओं ने जताया विश्वास– कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि निर्मल जैन लंबे समय से धमधा नगर में सक्रिय हैं। उन्हें नगर संगठन की जिम्मेदारी मिलने से संगठन को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है। कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि वे सभी को साथ लेकर संगठन को मजबूत करने की दिशा में काम करेंगे।

इन नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने दी बधाई– निर्मल जैन को बधाई देने वालों में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शिवकुमार वर्मा, जिला कांग्रेस प्रभारी महामंत्री राजीव गुप्ता, दानेश्वर साहू, शमशीर कुरैशी, मधुसुदन राणा, हिम्मत ढीमर, धर्मेंद्र साहू, धमधा मंडल कांग्रेस अध्यक्ष अरुण साहू, राज पटेल, अशोक कसार, नीलकमल ताम्रकार, विजय ढीमर, सुरेश ढीमर, सुमन्त ताम्रकार, रजत नायक, कलीम कुरैशी, आनंद ढीमर, दुखवा मरार, नन्द निर्मलकर, देवनाथ सोनकर, महेंद्र यादव, दीनू पटेल, बंटी राजपूत, मनोज यादव, ओम ताम्रकार, राधे साहू, उमेशचंद्र यादव, मुकुल यादव, संदीप गुप्ता, दीनबंधु सोनकर, परमेश्वर साहू, अनिल साहू एवं जितेंद्र सेन सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता एवं समर्थक शामिल रहे।

इस दौरान जैन समाज के लोग भी मौजूद रहे। सभी ने निर्मल जैन को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं को एकजुट कर आगे बढ़ाने की कामना की।

सरपंच बोले– रात 11 बजे के बाद डाबरी में लग रही गाड़ियां, शासन को राजस्व नुकसान के साथ प्रस्तावित वृक्षारोपण पर भी संकट

गभरा में रात के अंधेरे में पत्थर युक्त पीली मिट्टी मुरूम चोरी का आरोप, शिकायत के बाद भी नहीं थम रहा अवैध खनन

पाटन। मानसून की विदाई नजदीक आते ही जनपद पंचायत पाटन क्षेत्र में कथित अवैध मुरूम खनन और परिवहन का मामला सामने आया है। ग्राम पंचायत करगा-गभरा में रात के समय डाबरी से मुरूम निकाले जाने की शिकायत ग्राम पंचायत के सरपंच कमलेश ठाकुर ने की है।

उनका कहना है कि पिछले करीब महीनों से रात 11 बजे के बाद गाड़ियों के माध्यम से डाबरी से मुरूम निकाला जा रहा है। सरपंच कमलेश ठाकुर के अनुसार, रात में पत्थर युक्त पीली मिट्टी मुरूम चोरी किए जाने की जानकारी मिलने पर उन्होंने तहसीलदार और पटवारी को दूरभाष के माध्यम से सूचना दी है। इसके साथ ही खनिज विभाग को भी मामले की जानकारी दी गई है। इसके बावजूद रात्रि में मुरूम की खुदाई और परिवहन कथित रूप से लगातार जारी है। सरपंच ने इस पर नाराजगी जाहिर करते हुए संबंधित विभाग से तत्काल कार्रवाई की मांग की है।बताया जा रहा है कि उत्तर पाटन क्षेत्र में अमलेश्वर नगर पालिका क्षेत्र नजदीक होने के कारण मुरूम का उपयोग प्लांट एवं अन्य निर्माण कार्यों में किया जाता है।

ऐसे में रात के समय मुरूम के अवैध खनन और परिवहन की शिकायत सामने आने से खनिज विभाग की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। यदि बिना अनुमति मुरूम का खनन एवं परिवहन हो रहा है तो इससे शासन को राजस्व की हानि होने की आशंका है।

वृक्षारोपण के प्रस्ताव पर भी पड़ सकता है असर

सरपंच ने बताया कि जिस डाबरी से मुरूम निकाले जाने की शिकायत सामने आई है, वहां पंचायत द्वारा वृक्षारोपण कार्य कराने का प्रस्ताव भी दिया गया है। ऐसे में लगातार खुदाई होने से प्रस्तावित वृक्षारोपण कार्य प्रभावित हो सकता है। पंचायत ने संबंधित अधिकारियों से मौके की जांच कराकर अवैध खुदाई पर रोक लगाने तथा दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि रात के समय मुरूम की आवाजाही हो रही है तो संबंधित विभाग द्वारा मौके पर जांच एवं निगरानी बढ़ाई जानी चाहिए, ताकि अवैध खनन पर रोक लग सके और शासकीय संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

चौपाटी का अब नाम होगा...पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य स्मृति उपवन

आचार्य रामयश तिवारी एवं महापौर यादव ने नामकरण पट्टिका का किया अनावरण

राजनांदगांव। अखिल विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक पं. श्रीराम शर्मा आचार्य के नाम से चौपाटी का नामकरण उनके अवतरण दिवस पर चौपाटी में आयोजित कार्यक्रम में शांतिकुंज हरिद्वार से पधारे आचार्य रामयश तिवारी तथा महापौर मधुसूदन यादव ने गायत्री परिवार की गरिमामय उपस्थिति में चौपाटी परिसर का नामकरण पं. श्रीराम शर्मा आचार्य स्मृति उपवन करने पट्टिका का पूजा अर्चना कर अनावरण किया। अनावरण अवसर पर आचार्य रामयश तिवारी ने कहा कि राजनांदगांववासियों के लिए सौभाग्य का दिन है कि यहा अखिल विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक पं. श्रीराम शर्मा आचार्य के नाम से उद्यान का नामकरण किया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com